कोयल

सरल हिन्दी पाठमाला 5

शिक्षक–दर्शिका

ओरियंट ब्लैकस्वॉन

All rights reserved. No part of this book may be modified, reproduced or utilised in any form, or by any means, electronic or mechanical, including photocopying, recording or by any information storage and retrieval system, in any form of binding or cover other than in which it is published, without permission in writing from the publisher.

कोयल सरल हिन्दी शिक्षक-दर्शिका 5 (पाठमाला 5 के लिए)

ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
मुख्य कार्यालय
3-6-752 हिमायतनगर, हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना), भारत
ई-मेल: centraloffice@orientblackswan.com

शाखाएँ
बंग्लुरु, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, मुम्बई,
नई दिल्ली, नोएडा, पटना, विशाखापट्टनम

© ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड, 2023
प्रथम संस्करण, 2023
OBBN 978-0-30106-643-1

टाइपसेटर
सुरेश कुमार शर्मा, दिल्ली

मुद्रक

प्रकाशक
ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्राइवेट लिमिटेड
3-6-752 हिमायतनगर
हैदराबाद 500 029 (तेलंगाना)
ई-मेल : info@orientblackswan.com

पाठ-सूची

शिक्षक बंधुओं से ... *v*

1. **हम सब सुमन एक उपवन के** (कविता) 1
   द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी
2. **तीन मछलियाँ** (कहानी) 4
3. **मोनाल पक्षी** (वर्णनात्मक पाठ) 9
4. **झाँसी की रानी** (कविता) *सुभद्रा कुमारी चौहान* 13
5. **क्रिसमस का उपहार** (संवादात्मक पाठ) 18
6. **राजा की अँगूठी** (कहानी) 22
7. **मिट्ठू और गोपाल** (कहानी) 27
8. **तालाब का जल** (जातक कथा) 33
9. **चलो चलें, जंगल की ओर** (कविता) 38
10. **मैडम क्यूरी** (जीवनी अंश) 43
11. **बापू की सच्चाई** (जीवनी अंश) 48
12. **यक्ष-युधिष्ठिर संवाद** (पौराणिक कथा) 53

शिक्षक बंधुओं से ...

हिन्दी भारत की एक प्रमुख भाषा है। यह प्रांतीय भाषा ही नहीं, अपितु सम्पूर्ण देश में बोली जाने वाली 'सार्वजनिक' भाषा है। यह देश के कुछ स्कूलों में प्रथम भाषा के रूप में तो कुछ स्कूलों में द्वितीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। देश के कुछ स्कूल ऐसे भी हैं, जहाँ यह तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है। **'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला** की रचना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर की गई है। इन क्षेत्रों में इस पाठ्यपुस्तक माला के माध्यम से हिन्दी द्वितीय अथवा तृतीय भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी। यह पाठ्यपुस्तक माला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसलिए इन शिक्षक दर्शिकाओं का निर्माण हिन्दी शिक्षण की उन कठिनाइयों को ध्यान में रखकर किया गया है, जिनका सामना अहिन्दी भाषी क्षेत्रों के शिक्षक करते हैं।

'कोयल' सरल हिन्दी पाठ्यपुस्तक माला

'कोयल' NEP के अनुरूप सरल हिन्दी पाठमाला अहिन्दी भाषी क्षेत्रों तथा द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए है। यह पुस्तकमाला सम्प्रेषणमूलक शिक्षण प्रविधि (Communicative Teaching Method) एवं योग्यता-आधारित शिक्षा के सिद्धांतों (Principles of Competency Based Education) को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (National Education Policy) 2020 और एनसीईआरटी (NCERT) के दिशा-निर्देशों का पालन करती है। यह सीरीज़ **नर्सरी** से लेकर **कक्षा 8** तक के विद्यार्थियों के लिए है।

भाषा शिक्षण के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना – को इस पाठ्यपुस्तक माला में स्थान दिया गया। है। इन कौशलों के माध्यम से किस प्रकार विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास करना है, यह इन शिक्षक दर्शिकाओं के माध्यम से बताया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (National Education Policy 2020)

'कोयल' सरल हिन्दी पाठमाला में शिक्षा के चारों कौशलों – सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना (Listening, Speaking, Reading & Writing) – के माध्यम से शिक्षण दिया गया है। ये पुस्तकें नवीनतम शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के निम्नलिखित मापदण्डों पर आधारित है:-

- डिजिटल (QR कोड, ऑडियो एवं वीडियो)
- अतिरिक्त पठन

- भारतीय विरासत
- पास-परिवेश
- चिंतन (Critical Thinking)
- समस्या समाधान (Problem Solving)
- रचनात्मक कार्य (Art Integration)
- जीवन मूल्य (Values)
- जीवन कौशल (Life Skills)

इनके माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला की पाठ-सूची के अनुसार दी गई **पाठ योजना** के अंतर्गत बताया गया है।

'कोयल' हिंदी प्रवेशिकाएँ (नर्सरी, LKG एवं UKG के लिए)

- इस पाठ्यपुस्तक माला में **तीन प्रवेशिकाएँ क्रमशः नर्सरी, LKG एवं UKG** के लिए हैं।
- इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य **विद्यार्थियों को स्वर एवं व्यंजन का ज्ञान, बिना मात्रा वाले दो, तीन तथा चार अक्षरों से बने शब्दों व वाक्यों को बोलना, पढ़ना एवं लिखना सिखाना है।**
- ये शिक्षण **पुस्तकों के माध्यम से** तो है ही, साथ ही **डिजिटल के माध्यम से** भी दिया गया है, ताकि विद्यार्थियों में सुनकर बोलने की कुशलता का विकास हो सके।
- अक्षरों, शब्दों, वाक्यों तथा कविताओं का **ऑडियो** दिया गया है। पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- **ऑडियो का प्रयोग** शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह प्रत्येक पाठ-योजना में बताया गया है।
- ऑडियो के साथ-साथ **फ़्लैश कार्ड** भी दिए गए हैं। ये **फ़्लैश कार्ड** शिक्षण को रोचक, मनोरंजक और सहायक बनाएँगे।
- **फ़्लैश कार्ड** के खेल खेलते समय विद्यार्थियों को बताएँ कि व्हाइट बोर्ड पर जब चित्र और उसके नाम का पहला अक्षर या उसका नाम आएगा तब **"बिंगो" बोलना** है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 1 एवं 2 (कक्षा 1 एवं कक्षा 2 के लिए)

- **पाठमाला 1 में स्वर** तथा **पाठमाला 2 में व्यंजन पढ़ाए और सिखाए गए हैं।**
- प्रवेशिकाओं की भाँति ही, इनमें भी डिजिटल के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- स्वरों की मात्राओं से बने शब्दों तथा वाक्यों एवं कविताओं का ऑडियो दिया गया है।
- इन पुस्तकों में भी पाठों का ऑडियो शिक्षण में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा।
- ऑडियो का प्रयोग शिक्षण में किस प्रकार करना है, यह संबंधित शिक्षक दर्शिका में दी गई प्रत्येक पाठ योजना में बताया गया है।

- प्रवेशिकाओं की भाँति इन कक्षाओं के लिए भी **फ़्लैश कार्ड** दिए गए हैं जिनका प्रयोग पूर्व कक्षाओं की भाँति ही करना है।

'कोयल' हिन्दी पाठमाला 3 से 8 (कक्षा 3 से 8 के लिए)

- कक्षा 3 से 8 में शिक्षण हेतु गद्य, पद्य, कहानी एवं संवाद विधा से संबंधित पाठ दिए गए हैं।
- ये पाठ एवं इनके अभ्यास तथा व्याकरण अहिन्दी भाषी विद्यार्थियों को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं।
- इन पुस्तकों में भी **डिजिटल** के माध्यम से शिक्षण दिया गया है।
- **अभ्यासों** में मौखिक प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न, लिखित प्रश्न, रिक्त स्थान, मिलान करना, किसने कहा? किससे कहा?, पाठ से संबंधित सही-गलत बात बताना, स्तर के अनुसार व्यावहारिक व्याकरण, चिंतन एवं समस्या समाधान, रचनात्मक कार्य, जीवन मूल्य तथा जीवन कौशल से संबंधित प्रश्नों एवं गतिविधियों का समावेश किया गया है।

डिजिटल सामग्री (नर्सरी से पाठमाला 8 के लिए)

नर्सरी से कक्षा 8 तक प्रत्येक प्रवेशिका एवं पाठमाला से संबंधित डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराई गई है। इस सामग्री में **फ़्लैश कार्ड**, **ऑडियो** (अतिरिक्त पठन एवं शब्दावली हेतु), **QR Code (केवल कविताओं में)**, **पाठों का ऑडियो**, **पाठों का ऐनिमेशन**, **शब्दार्थों का ऐनिमेशन** तथा **ऑडियो पर आधारित प्रश्नों का समावेश** किया गया है। इनके प्रयोग के माध्यम से शिक्षण किस प्रकार करना है, यह पाठ योजना के अंतर्गत बताया गया है। शिक्षकों की सुविधा के लिए नीचे संक्षेप में इनका उद्देश्य बताया जा रहा है–

फ़्लैश कार्ड : इनका उद्देश्य अक्षर एवं शब्दों की पहचान करवाना है।

QR कोड : इनका उद्देश्य कविताओं को सुनकर समझना और कंठस्थ करना है।

पाठों का ऑडियो : इनका उद्देश्य पाठों को सुनकर कहानी और भाषा को समझना व सीखना है।

पाठों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य पाठ की कहानी को रोचक ढंग से प्रस्तुत करके विषय के प्रति विद्यार्थियों की रुचि जाग्रत करना है।

शब्दार्थों का ऐनिमेशन : इनका उद्देश्य है कि विद्यार्थी शब्दों का अर्थ और भाव भली भाँति समझ जाए।

ऑडियो पर आधारित प्रश्न : इनका उद्देश्य यह जानना है कि विद्यार्थी ने पाठ को कितना समझा है। इससे प्रश्न को सुनकर उसका उत्तर देने पर उनकी हिन्दी बोलने की कुशलता बढ़ेगी।

'कोयल' हिन्दी अभ्यास पुस्तिका नर्सरी से 8 (नर्सरी से कक्षा 8 के लिए)

अभ्यास पुस्तिकाएँ केवल सुलेख हेतु नहीं हैं। इनमें दी गई गतिविधियाँ तत्संबंधी पाठमाला में दिए गए अभ्यासों और दी गई गतिविधियों का विस्तार है।

- ये गतिविधियाँ भी नवीन शिक्षा नीति 2020 के सभी मानकों पर खरी उतरती हैं।
- विद्यार्थी इनके द्वारा लेखन का अभ्यास तो करेंगे ही, साथ-ही-साथ उनकी हिन्दी भाषा पर पकड़ भी मज़बूत होगी।
- इन अभ्यास पुस्तिकाओं में पाठ बोध (प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान, बहुविकल्पी प्रश्न) के साथ-साथ व्याकरण बोध और रचनात्मक कार्य भी दिया गया है।

'कोयल' हिन्दी शिक्षक दर्शिकाएँ (नर्सरी से 8)

ये शिक्षक दर्शिकाएँ नवीन शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षण किस प्रकार दिया जाए, उस आधार पर तो तैयार की ही गई हैं, साथ ही इनको तैयार करते समय अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की हिन्दी पठन एवं पाठन में होने वाली असुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है। इसके लिए इन शिक्षक दर्शिकाओं में–

- सबसे पहले **पाठ उपलब्धियाँ** दी गई हैं।
- इसके बाद **पाठों का सारांश** दिया गया है।
- तदनन्तर **पाठवार पाठ-योजना** दी गई है।
- पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यास पुस्तिका में दिए गए अभ्यास-प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं।

कुल 9 शिक्षक दर्शिकाएँ हैं। जिनमें नर्सरी, LKG और UKG प्रवेशिकाओं के लिए एक संयुक्त दर्शिका एवं प्रत्येक पाठ्यपुस्तक के लिए अलग-अलग 8 दर्शिकाएँ हैं।

विद्यार्थियों का परीक्षण/मूल्यांकन कैसे करें

- 'मौखिक मूल्यांकन' शब्दों के शुद्ध उच्चारण एवं मौखिक प्रश्नों के उत्तरों के शुद्ध उच्चारण के साथ-साथ उत्तर की सटीकता के आधार पर करें।
- इसी प्रकार 'लिखित मूल्यांकन' भी भाषा की शुद्धता और पाठ के आधार पर तथ्यों की सटीकता के माध्यम से करें।
- 'सोचिए और बताइए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों से निकलवाएँ और उनके उत्तरों की सटीकता का उनकी बौद्धिक क्षमता के आधार पर मूल्यांकन करें।
- 'रचनात्मक कार्य' के अंतर्गत दी गई गतिविधियों का मूल्यांकन लिखित, मौखिक, बौद्धिक क्षमता, पाठ का संदेश एवं रचनात्मकता की दृष्टि से किया जाए।

आशा है, ये दर्शिकाएँ, हिन्दी शिक्षण में अत्यन्त सहायक होंगी। सुझावों का स्वागत है।

पाठ 1 : हम सब सुमन एक उपवन के

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • एकता का महत्त्व • सहयोग की भावना • देशभक्ति

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, विलोम शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	एकता का महत्त्व समझना, प्रकृति संरक्षण
रचनात्मक कार्य Art Integration	कविता-गायन, अनेकता में एकता का महत्त्व, प्रकृति से सीख
जीवन कौशल Life Skills	मिल-जुलकर कैसे रहें – इस पर बात करना
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

इस कविता में कवि कह रहे हैं कि हम सब इस धरती पर पैदा हुए है। हमारे रंग-रूप अलग-अलग ज़रूर हैं पर हम एक ही ईश्वर की संतान हैं। धरती हम सब का घर है। सूरज ने एक समान हम सब को धूप दी है। पानी भी हम सबको एक ही समान मिलता है। हवा के झोंके भी हम सब को एक समान ही मिले हैं। हम सब देखने में अलग-अलग हैं, पर, हम सब एक ही ईश्वर की संतान हैं। वह एक ईश्वर ही हम सब फूलों का माली अर्थात् पालने वाला है।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कविता में एकता की बात कही गई है। विद्यार्थियों को एकता का महत्त्व समझाएँ। उन्हें बताएँ कि फूल का मतलब हम इन्सानों से है और माली का मतलब ईश्वर से है।
2. साथ ही कविता में फूलों की बात भी आई है। बच्चों से उनके मनपसन्द फूलों के नाम पूछें। उन फूलों के हिन्दी नामों से उन्हें परिचित करवाएँ। फिर पूछें कि विद्यालय के बगीचे में कौन-कौन से फूल खिले हुए हैं।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **कविता-पाठ करें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब बताएँ कि भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। कई तरह के त्योहार मनाए जाते हैं। कई धर्मों के लोग रहते हैं। इतनी विविधताएँ होते हुए भी भारत में एकता है। इसे 'अनेकता में एकता' कहते हैं। इन बातों से विद्यार्थी भारतीय संस्कृति से परिचित होंगे।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें** -
   - **कविता में 'माली' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?**

     ☐ पिता के लिए ☐ ईश्वर के लिए ☐ बगीचे के माली के लिए
10. श्यामपट्ट पर **विलोम शब्द** लिख कर विद्यार्थियों से उनका उच्चारण करवाएँ। इसी प्रकार **समानार्थी शब्दों** को कंठस्थ करवाएँ।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि कि भारत में 'अनेकता में एकता' कैसे है? हम सबको एक ही धूप और एक ही हवा किस प्रकार मिली है, आदि।
12. अभ्यास के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) इस कविता का नाम है – हम सब सुमन एक उपवन के।
   (ख) कवि अपनी बात फूलों के माध्यम से कहना चाह रहा है।
   (ग) उपवन की शोभा फूलों से होती है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ फूल के (ख) ☑ बरसात का पानी
(ग) ☑ उपवन की (घ) ☑ पेड़-पौधों की देखभाल करने वाला

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) कवि ने 'सुमन' बच्चों को और 'उपवन' इस संसार को कहा है।
   (ख) इस पंक्ति का अर्थ है हम सबको समान भाव से एक ही सूरज की रोशनी मिलती है।
   (ग) इस पंक्ति में कवि कहना चाहता है कि इस संसार में भिन्न-भिन्न रूप-रंग के लोग मिलजुलकर रहते हैं।
   (घ) 'एक हमारा माली हम सब
   रहते नीचे एक गगन के'
3. (क) धरती (ख) जल (ग) धूप (घ) शोभा

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

• पुष्प	• बाग
• सलिल	• समीर
• नभ	

2.

धूप x छाँव	फूल x काँटा
एक x अनेक	नीचे x ऊपर
सुन्दर x कुरूप	धरती x आकाश

रचनात्मक कार्य Creative Work
विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills
विद्यार्थी स्वयं उत्तर देंगे। अध्यापक प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs
1. (क) ☑ जल से (ख) ☑ पवन के (ग) ☑ भारत देश को
2. विद्यार्थी से अगली पंक्ति लिखवाएँ।
3. (क) उपवन के फूलों को समानता से धूप, जल, पवन, एक माली मिला।
   (ख) कवि के अनुसार यदि हम सब फूल हैं तो हमारा माली ईश्वर है।
   (ग) कवि इस कविता के द्वारा 'अनेकता में एकता' का सन्देश देना चाहता है।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar
4. विद्यार्थी अपनी इच्छा के अनुसार वाक्य लिखेंगे।
5. विद्यार्थी स्वयं शब्दों को क्रम से लिखेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work
6. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 2 : तीन मछलियाँ

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes

- मुसीबत आने से पहले ही उसका उपाय सोचना
- विपरीत परिस्थिति में भी न घबराना
- त्वरित/सजग बुद्धि से काम लेना
- भाग्य के भरोसे न बैठे रहना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न,
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, वचन, अनेकार्थी शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, चरित्र-चित्रण परिणाम, समस्या समाधान, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	इंटरनेट के उपयोग से अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, चित्र पर आधारित वाक्य-रचना, पोस्टर बनाना, चित्र बनाना
जीवन कौशल Life Skills	विपरीत परिस्थिति में भी न घबराना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह तीन मछलियों की कहानी है जो कि अलग-अलग स्वभाव की हैं। पहली मछली का नाम है – कर्मा। कर्मा काम करने में विश्वास करती थी। दूसरी मछली का नाम है – विचारा। विचारा हर काम सोच-समझ कर करती है। तीसरी मछली का नाम है भाग्या। भाग्या सब काम भाग्य पर छोड़ देती है। एक बार उस तालाब पर दो मछुआरे आए। उन्होंने कहा कि कल से वे उस तालाब से मछलियाँ पकड़ेंगे। कर्मा ने उनकी बातचीत सुन ली। उसने सारी बात विचारा और भाग्या को बताई और कहा कि हमें यहाँ से चले जाना चाहिए। पर विचारा और भाग्या ने उसकी बात नहीं मानी। कर्मा वहाँ से चली गई। जब मछुआरे आए तो अन्य मछलियों के साथ विचारा और भाग्या भी उनके जाल में फँस गई। विचारा ने अपने शरीर पर कीचड़ लगा लिया था। जब जाल से मछलियों को निकाला गया तो विचारा बिना हिले-डुले पड़ी रही। कीचड़ लगा होने के कारण उससे बदबू भी आ रही थी। मछुआरों ने समझा कि वह मर गई है। इसलिए उन्होने उसे वापिस तालाब में फेंक दिया। तालाब में गिरते ही विचारा तुरन्त वहाँ से चली गई। भाग्या ने सब कुछ भाग्य पर छोड़ दिया। उसने अपनी जान बचाने के लिए कुछ भी नहीं किया। मछुआरे अन्य मछलियों के साथ उसे भी ले गए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कहानी में मछलियों की बात आई है। मछलियाँ पानी में रहती हैं। विद्यार्थियों को मछलियों के नाम बताएँ, जैसे - ह्वेल, शार्क, झींगा, आदि। फिर उनसे पानी में रहने वाले अन्य जीवों के बारे में बातें करें।
2. कहानी में कर्मा, विचारा और भाग्या – इन तीनों मछलियों के स्वभाव अलग-अलग हैं। विद्यार्थियों से बातें करें और पूछें कि उनके अनुसार किस मछली का स्वभाव उन्हें सबसे ज़्यादा अच्छा लगा?
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब बताएँ कि यदि मछलियाँ मिल-जुलकर रहतीं और एक-दूसरे का कहना मानतीं तो वे मुसीबत में न फँसतीं। हमें दूसरों की अच्छी सलाह को अवश्य मानना चाहिए और हर एक काम सोच-समझ कर करना चाहिए।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें -**
   - **तालाब दिखाई क्यों नहीं देता था?**
     - ☐ **क्योंकि वह बहुत छोटा था।**
     - ☐ **क्योंकि वह एक नीचे जगह पर था।**
     - ☐ **क्योंकि वह घनी झाड़ियों के पीछे था।**
10. श्यामपट्ट पर **एकवचन-बहुवचन** शब्द लिख कर विद्यार्थियों से उनका उच्चारण करवाएँ। इसी प्रकार **अनेकार्थी शब्दों** को वाक्य में प्रयोग करके समझाएँ।
11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि सबसे समझदार कौन-सी मछली थी और क्यों? क्या भाग्या भी अपनी जान बचा सकती थी? यदि हाँ तो कैसे?
12. अभ्यास के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें। साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा करें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।

14. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) मछलियों के नाम थे – कर्मा, विचारा और भाग्या।
   (ख) तालाब एक जंगल में था।
   (ग) पक्षियों के चोंच में दबी हुई मछली को देखकर मछुआरों को लगा कि आसपास कोई तालाब है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ झाड़ियों के (ख) ☑ कल सुबह (ग) ☑ कर्मा (घ) ☑ कीचड़

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से इन शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) कर्मा कर्म करने में विश्वास करती थी।
   (ख) विचारा की विशेषता थी कि वह समझदार थी।
   (ग) भाग्या सोचती थी कि भाग्य से ही सब कुछ होता है।
   (घ) कर्मा ने दोनों को बताया कि अगले दिन मछुआरे तालाब में मछली पकड़ने आएँगे।
   (ङ) विचारा जाल में फँसने पर बिना हिले-डुले पड़ी रही।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

नदियाँ	बातें
झाड़ियाँ	नहरें
मुरगियाँ	
सहेलियाँ	मछुआरे

2. विद्यार्थी पढ़कर स्वयं समझेंगे।

सोचो और बताओ Think & Tell
इनका उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। अध्यापक प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills
निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. विद्यार्थी स्वयं क्रम देंगे।
2. (क) मछुआरों ने तालाब को देखकर उसी तालाब से मछलियाँ पकड़ने का निश्चय किया।
   (ख) मछुआरों की बात सुनकर कर्मा ने सारी बात बाकी दोनों मछलियों को बताई।
   (ग) भाग्या अपने भाग्य पर विश्वास करके बैठी रही और मछुआरों के जाल में फँस गई।
3. (क) दूसरे मछुआरे ने पहले मछुआरे से।
   (ख) पहले मछुआरे ने दूसरे मछुआरे से।
   (ग) कर्मा ने भाग्या और विचारा से।
   (घ) विचारा ने कर्मा से।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. (क) किस्मत (ख) मुसीबत (ग) छोटा पौधा

रचनात्मक कार्य Creative Work
विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 3 : मोनाल पक्षी

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • पशु-पक्षी प्रेम • पर्यावरण सुरक्षा • सामान्य ज्ञान

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	गद्य पाठ
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, सर्वनाम, वाक्य रचना, समानार्थी शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, चरित्र-चित्रण, कारण, परिणाम, समस्या समाधान
रचनात्मक कार्य Art Integration	चित्र पहचानकर पक्षियों के नाम लिखना, पक्षियों पर दो-दो वाक्य लिखना
जीवन मूल्य Values	विलुप्त होते पक्षियों की रक्षा का भाव
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ मोनाल पक्षी के बारे में है जो कि देखने में मोर जैसा लगता है। यह 'हिमालय का मोर' नाम से भी प्रसिद्ध है। यह हिमालय के ऊँचे क्षेत्रों, जहां बर्फ़ होती है, वहाँ पाया जाता है। इसे मुनाल, रतनल और सुनाल, आदि नामों से भी जाना जाता है। यह भारत के राज्य उत्तराखंड का राजकीय पक्षी है तो नेपाल का राष्ट्रीय पक्षी है। यह देखने में बहुत सुंदर है। इसके सिर पर मोर के समान कलगी होती है। इसके पंख तांबे और सोने के रंग

के समान सुनहरे होते हैं। मादा मोनाल के गले के नीचे सफ़ेद धब्बा और पूँछ पर सफ़ेद धारियाँ होती हैं। मोनाल की आवाज़ तेज़ सीटी के समान होती है। यह अफ़गानिस्तान, पाकिस्तान और भूटान, आदि देशों में भी पाया जाता है। यह जंगली फल, कीड़े-मकोड़े और कन्द-मूल बड़े शौक से खाता है। यह अधिकांश समय धरती पर रहता है, पर यह उड़ भी सकता है। इसकी सुंदरता के कारण लोग इसका शिकार कर लेते हैं, पर सरकार ने इसके शिकार पर रोक लगा दी है।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ मोनाल पक्षी पर आधारित है। पक्षी आकाश में उड़ते हैं। विद्यार्थियों से पक्षियों के हिन्दी नाम पूछें। एक-एक विद्यार्थी से पूछें, ताकि पता लग सके किसे पता है और किसे नहीं। इसके बाद श्यामपट्ट पर पक्षियों के नाम लिख कर कंठस्थ करवा दें।
2. पाठ में बताया गया है कि मोनाल मोर से मिलता-जुलता पक्षी है। विद्यार्थियों को मोर और मोनाल के चित्र दिखा कर पूछें कि उन्हें दोनों में क्या-क्या समानताएँ दिखाई दे रही हैं? फिर उनसे पूछें कि उन्हें कौन-सा पक्षी अच्छा लगा और क्यों?
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब बताएँ जिस प्रकार मोनाल नेपाल का राष्ट्रीय पक्षी है, उसी प्रकार मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। मोनाल की ही तरह और भी कई पशु-पक्षी हैं, जिनका लोग शिकार कर लेते हैं। पूछें, क्या पशु-पक्षियों का शिकार करना अच्छी बात है? इसको रोकने के लिए क्या-क्या किया जा सकता है? पशु-पक्षी किस प्रकार संसार की सुंदरता को बढ़ाते हैं?
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें** -
   - **इनमें से कौन-से दो पक्षी एक जैसे दिखते हैं?**
     ☐ **मोनाल और मोर** ☐ **हंस और मैना** ☐ **कोयल और गौरैया**
10. श्यामपट्ट पर **सर्वनाम शब्द** लिख कर फिर उनका वाक्य में प्रयोग करके समझाएँ। विद्यार्थियों से भी कुछ वाक्य बनवाएँ। फिर श्यामपट्ट पर ही उदाहरण देते हुए समझाएँ कि किस प्रकार शब्दों का क्रम बदल देने से वाक्य सार्थक या निरर्थक बन जाता है।

11. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें- यदि इस संसार में पक्षी न होते तो यह संसार कैसा होता?
12. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
13. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
14. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्‌ट पर समझा दें, फिर कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।
15. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
16. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया **अभ्यास** कक्षा-कार्य अथवा गृह-कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्‌यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) मोनाल को 'हिमालय का मोर' कहा जाता है।
   (ख) वह मोर जैसा दिखता है।
   (ग) उत्तराखण्ड में इसे मुनाल, रतनल, सुनाल कहा जाता है।
   (घ) मोनाल की आवाज़ तेज़ सीटी के समान होती है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ चावल (ख) ☑ जहाँ बर्फ़ होती है (ग) ☑ भूरी (घ) ☑ धारियाँ

लिखित Writing

1. विद्‌यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) मोनाल भारत में हिमालय के ऊँचे क्षेत्रों, उत्तराखण्ड में पाया जाता है।
   (ख) नर मोनाल नीले, हरे, काले व चमकीले रंगों का होता है। इसके सिर पर लम्बी कलगी होती है। इसकी पीठ और गरदन पर सुनहरे और तांबे के रंग के पंख होते हैं तथा पूँछ भूरी होती है।

(ग) मोनाल की चोंच बर्फ़ को खोदकर उसमें दबे हुए फूल-फल और कीड़े-मकोड़े खाने के काम आती है।

(घ) मोनाल फूल-फल तथा कीड़े-मकोड़े खाता है।

(ङ) मोनाल पक्षी इसलिए संकट में है क्योंकि लोग इसका शिकार कर लेते हैं।

3. (क) हिमालय (ख) नेपाल (ग) मोर (घ) धब्बा (ङ) बर्फ़

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. गोपाल बहुत खुश था। **वह** आज नाना-नानी के घर जा रहा था। **उसके** साथ **उसके** मम्मी-पापा भी थे। **उसके** हाथ में पानी की बोतल थी।
2. (क) इसके सिर पर मोर के समान कलगी होती है।

   (ख) नेपाल का राष्ट्रीय पक्षी मोनाल है।

   (ग) इसकी गरदन पर सुनहरे पंख होते हैं।
3. विद्यार्थी स्वयं पढ़ेंगे और समझेंगे।

सोचो और बताओ Think & Tell

इनका उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी अपनी समझ से वाक्य लिखेंगे।

जीवन मूल्य Values

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) ☑ उत्तराखण्ड (ख) ☑ बर्फ़ (ग) ☑ तेज़ सीटी के समान
2. (क) मोनाल हिमालय का मोर, मुनाल, रतनल, सुनाल आदि नामों से जाना जाता है।

   (ख) मोनाल नेपाल देश का राष्ट्रीय पक्षी है।

   (ग) नर मोनाल पक्षी नीले, हरे, काले व चमकीले रंगों का होता है। इसके सिर पर मोर के समान कलगी होती है। इसकी पीठ और गरदन पर सुनहरे और तांबे के रंग के पंख होते हैं। इसकी पूँछ भूरी होती है। मादा मोनाल के गले के नीचे सफ़ेद धब्बे और पूँछ पर धारियाँ होती हैं।
3. (क) ☒ (ख) ☑ (ग) ☒ (घ) ☑

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4.

हरी	खुशी
लाली	शिकारी
लम्बी	पड़ोसी
चमकीली	सफ़ेदी

5. (क) छोटा (ख) कुरूप (ग) अप्रसन्न (घ) आकाश
6. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 4 : झाँसी की रानी

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• देश प्रेम • वीरता • देशभक्ति • आज़ादी का महत्त्व

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, तुकान्त शब्द, विलोम शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, वर्णन, चरित्र-चित्रण, कल्पना, अनुमान
रचनात्मक कार्य Art Integration	अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, अनुच्छेद लेखन

जीवन मूल्य Values	देश के लिए सर्वस्व समर्पित करने की भावना
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

यह कविता वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की वीरता और उनकी देशभक्ति के बारे में है। कवयित्री कह रही हैं कि यह उस समय की बात है, जब अंग्रेज़ों के अत्याचार के विरुद्ध और भारत को स्वतन्त्र करवाने के लिए बहुत सारे राजा उठ खड़े हुए थे। उन सबने अंग्रेज़ों को भारत से भगाने की ठान ली थी। यह सन् सत्तावन (1857) की बात है। यह कहानी बुंदेलखंड के हरबोलों के मुँह से सबने सुनी थी। उनके अनुसार, जो अंग्रेज़ों से युद्ध के मैदान में मर्दों की तरह लड़ी, वह झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई थी। लक्ष्मीबाई कानपुर के नाना साहब की मुँहबोली बहन थीं। वे अपने पिता की इकलौती संतान थीं। वे नाना के साथ ही पढ़ती, लिखती और खेलती थीं। वे बरछी, ढाल, कृपाण और कटारी बहुत आसानी से चला लेती थीं। उन्हें वीर शिवाजी की बहादुरी भरी कहानियाँ ज़बानी याद थीं। यह कहानी बुंदेलखंड के हरबोलों के मुँह से सबने सुनी थी कि जो अंग्रेज़ों से युद्ध के मैदान में मर्दों की तरह लड़ी थी, वह झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई थी।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी एक वीरांगना की वीरता पर आधारित है। हमारे देश में बहुत सारी वीरांगनाएँ यानि वीर नारियाँ या महिलाएँ हुई हैं – रानी सारंध्रा, रानी चेन्नमा, आदि। उनके विषय में विद्यार्थियों को संक्षेप में बताएँ। फिर उनसे पूछें कि वे इन वीर महिलाओं के विषय में क्या जानते हैं। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर कहानी सुना दें।** कहानी पढ़कर समझ आता है कि रानी लक्ष्मीबाई देशभक्त और बहुत ही निडर स्वभाव की थीं। आज के दौर में महिलाओं का निडर होना अच्छी बात है या नहीं और क्यों? यह बात उनसे पूछें और इस विषय पर उनके विचार जानें। आधुनिक महिलाओं – इन्दिरा गांधी, सुषमा स्वराज, कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स, आदि के विषय में भी बातें करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।

6. समाज कल्याण और विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान के महत्त्व को समझाएँ। विद्यार्थियों के विचार भी जानें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **रानी लक्ष्मीबाई किस राज्य की रानी थीं?**

   ☐ **कानपुर की** ☐ **आगरा की** ☐ **झाँसी की**
10. श्यामपट्ट पर **तुकान्त शब्द** लिखकर समझाएँ। अतिरिक्त उदाहरण भी दें।
11. श्यामपट्ट पर पहले **विलोम शब्दों** की परिभाषा उदाहरण सहित लिखकर समझाएँ। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करवाएँ। वाक्य में प्रयोग करके समझाएँ। अतिरिक्त उदाहरण भी दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि लक्ष्मीबाई बचपन में किसके साथ खेलती थीं?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) इस कविता का नाम 'झाँसी की रानी' है।

(ख) यह कविता रानी लक्ष्मीबाई के विषय में है।
(ग) कविता में 'बूढ़ा' भारत को कहा गया है।
(घ) भारतवासियों ने गुमी हुई आज़ादी की कीमत पहचानी थी।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ जवानी (ख) ☑ लक्ष्मीबाई (ग) ☑ कानपुर से

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) भारतवासियों ने फिरंगी को भगाने की मन में ठानी थी।
   (ख) लक्ष्मीबाई कानपुर के नाना साहब पेशवा की मुँहबोली बहन थी।
   (ग) लक्ष्मीबाई की सहेलियाँ बरछी, ढाल, कृपाण, और कटारी थीं।
   (घ) लक्ष्मीबाई नाना साहब पेशवा के संग खेलती थीं।
3. सिंहासन, तानी
   भारत, कीमत
   आज़ादी, कीमत
   फिरंगी, मन

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. पहचानी – ठानी
   पुरानी – कहानी
   मर्दानी – रानी
   छबीली – अकेली
   खेली – सहेली
2.

बूढ़ा	x	जवान	दूर	x	पास
नई	x	पुरानी	गुलामी	x	आज़ादी
पाई हुई	x	खोई हुई	भूलना	x	याद रखना

सोचो और बताओ Think & Tell

इनका उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध (Comprehension)

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) भृकुटी
   (ख) आज़ादी
   (ग) कहानी
   (घ) झाँसी
2. (क) रानी लक्ष्मीबाई में बचपन से ही वीरांगना बनने के लक्षण थे। उन्हें वीर शिवाजी की कहानियाँ मुँह ज़बानी याद थीं। वे बचपन से ही बरछी, ढाल, कृपाण और कटारी बहुत आसानी से चला लेती थीं।
   (ख) अग्रेज़ों की गुलामी के कारण भारत को बूढ़ा कहा गया है। परंतु जब देश को स्वतन्त्रता दिलाने के लिए लोगों ने मन में ठान लिया तो उस जोश और उत्साह के कारण भारत में फिर से नई जवानी नया जोश आ गया था।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. (क) का, (ख) की, (ग) की, (घ) का, (ङ) का, (च) का, (छ) की, (ज) की।
4. बूढ़ा = वृद्ध
   आज़ादी = स्वतन्त्रता
   साथ = संग
   वीर = बहादुर
   जवान = युवा

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 5 : क्रिसमस का त्योहार

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• मित्रता • सद्भाव • मिल-जुलकर त्योहार मनाना • दूसरों के काम आना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा? किससे कहा?
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, वाक्य रचना, 'तो' निपात, संख्यावाचक विशेषण
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	परिणाम, समस्या समाधान, कार्य-कारण सम्बन्ध
रचनात्मक कार्य Art Integration	अनुच्छेद लेखन, मनपसन्द खेल के विषय में कक्षा में बताना, स्क्रेप बुक पर विभिन्न त्योहारों के चित्र चिपकाना
जीवन मूल्य Values	मिल-जुलकर त्योहार मनाना, मित्रता का भाव
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ क्रिसमस त्योहार पर तो आधारित है ही, साथ ही इसमें सच्ची मित्रता भी दर्शायी गई है। जेकब बहुत मिलनसार और प्रसन्न रहने वाला बालक है। उसके तीन मित्र हैं – सुहास, खुशप्रीत और वेणु। जेकब की माँ चाहती है कि जेकब उनके साथ कम समय बिताए। पर जेकब कहता है कि वे तीनों उसके सच्चे मित्र हैं। एक दिन वे तीनों जेकब के

घर आते हैं। जेकब उन्हें अपने कमरे में ले जाता है। खुशप्रीत को जेकब की खिलौना कार बहुत अच्छी लगती है। वेणु जेकब की किताबें देखकर खुश होता है। उसे किताबें पढ़ने का बहुत शौक है। कुछ देर बाद चारों मित्र मैदान में क्रिकेट खेलने आ जाते हैं। खेलते समय अचानक गेंद तेज़ी से आकर जेकब के सिर पर लगती है। वह गिर जाता है। वेणु जल्दी से अंदर जाकर यह बात जेकब की माँ को बताता है। वे तुरन्त बाहर आती हैं। वेणु दौड़कर रसोईघर से हल्दी गरम करवाकर ले आता है। हल्दी लगाते ही जेकब को आराम आता है। जेकब की माँ वेणु को धन्यवाद देती हैं। क्रिसमस के त्योहार के दिन जेकब तीनों मित्रों को अपने घर बुलाता है। तीनों उसे क्रिसमस का उपहार देते हैं। जेकब कहता है– "तुमने तो मुझे क्रिसमस का उपहार दे दिया। मैं भी तुम्हें कुछ देना चाहता हूँ।" यह कह कर उसने खुशप्रीत को खिलौना कार, सुहास को रंगों का सेट और वेणु को किताबें उपहार में दीं। तीनों मित्रों ने उसे धन्यवाद कहा। वेणु ने खुशी से जेकब को गले लगा लिया।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ क्रिसमस त्योहार के साथ-साथ सच्ची मित्रता पर भी आधारित है। विद्यार्थियों से विभिन्न त्योहारों के विषय में बातें करें। पूछें कि क्रिसमस से पहले कौन-सा त्योहार आया था? उनके घरों में कौन-कौनसे त्योहार मनाए जाते हैं? उनका मनपसंद त्योहार कौन-सा है और क्यों? यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब पढ़कर **पाठ सुना दें।** पूछें, क्रिसमस का त्योहार कौन मनाते हैं ? सच्चे मित्र की क्या पहचान है? क्या वे अपने मित्र को उपहार देते हैं? जेकब ने अपने मित्रों को उपहार दिया। क्या उसने सही किया? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. विद्यार्थियों से अन्य प्रमुख त्योहारों के विषय में भी बातचीत करें। पूछें, कि वे उन त्योहारों को कैसे मनाते हैं?
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**

- **वेणु ने जेकब को किसका लेप लगाया?**

  ☐ **दवा का** ☐ **नीम के पत्तों का** ☐ **हल्दी का**

10. **भाषा और व्याकरण** के अंतर्गत **गतिविधि-1** में पहले श्यामपट्ट पर लिखकर बताएँ कि शब्दों में किस प्रकार परिवर्तन करना है। इसके बाद कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करने के लिए दें।
11. **गतिविधि-2** में दिए गए शब्दों की सही संख्या पहले मौखिक रूप से पूछ लें, इसके बाद कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें कि त्योहार हमारे जीवन में किस प्रकार उत्साह और उल्लास लाते हैं।
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्‌यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) जेकब के तीन मित्र हैं।

   (ख) वेणु को जब जेकब ने किताबें उपहार में दीं, तब खुशी के कारण वेणु ने जेलब को गले लगा लिया।

   (ग) जब जेकब की माँ बच्चों को जेकब की सहायता करने के लिए धन्यवाद दे रही थीं, तब वेणु ने ऐसा कहा।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ मिलनसार (ख) ☑ पुस्तकें पढ़ना (ग) ☑ गेंद से (घ) ☑ हल्दी का

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) जेकब के मित्रों के नाम थे– वेणु, सुहास और खुशप्रीत।
   (ख) क्रिकेट खेलते हुए गेंद के सिर पर लगने से जेकब को चोट लगी।
   (ग) जेकब के मित्र क्रिसमस के त्योहार पर जेकब के घर आए थे।
   (घ) जेकब ने खुशप्रीत को खिलौना, सुहास को रंगों का सेट और वेणु को किताबें उपहार में दीं।
   (ङ) वेणु किताबें पाकर खुशी से फूला नहीं समाया।
3.

(क) खुशप्रीत ने	जेकब से
(ख) वेणु ने	जेकब से
(ग) जेकब ने	वेणु से
(घ) माँ ने	जेकब से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. (क) तो हमेशा स्वस्थ रहोगे।
   (ख) तो हम अवश्य घूमने जाएँगे।
   (ग) तो मैं बहुत-सारी किताबें खरीदता।
   (घ) तो तुम्हारी ट्रेन छूट जाएगी।
2.

दो हाथ	दो पैर
एक नाक	एक सिर
दो आँखें	बत्तीस दाँत
दो अँगूठे	दस उँगलियाँ

सोचो और बताओ Think & Tell

सभी प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills

विद्यार्थी स्वयं उत्तर देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध (Comprehension)

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. [1] जेकब ने दौड़कर दरवाजा खोला, उसके तीनों मित्र आए थे।
   [2] कुछ देर बाद चारों मित्र बाहर मैदान में क्रिकेट खेलने लगे।
   [3] अचानक गेंद तेज़ी से आकर जेकब के सिर पर लगी।
   [4] क्रिसमस के त्योहार पर जेकब ने अपने तीनों मित्रों को अपने घर बुलाया था।
   [5] वेणु किताबें पाकर खुशी से फूला नहीं समाया।
2. (क) माँ ने जेकब को याद दिलाया कि परीक्षा में अच्छे अंक लाने पर ही उसे नई किताबें मिलेंगी।
   (ख) जेकब की किताबों की अलमारी देखकर वेणु बोला – "जेकब! तुम्हारे पास तो बहुत सारी किताबें हैं! पता है, मुझे भी किताबें पढ़ना बहुत पसन्द है।"
   (ग) माँ के अनुसार जो मुसीबत में काम आते हैं, वे ही सच्चे मित्र होते हैं।
3. (क) माँ ने, (ख) जेकब ने, (ग) खुशप्रीत ने, (घ) वेणु ने

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. (क) होली का त्योहार फाल्गुन मास में मनाया जाता है।
   (ख) होली के दिन गुझिया, मिठाइयाँ, दही-बड़े और हलवा-पूड़ी, आदि पकवान बनाए जाते हैं।
   (ग) होली के एक दिन पहले होलिका दहन होता है।

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 6 : राजा की अँगूठी

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes

- निर्णय क्षमता
- सहजबुद्धि से काम लेना
- विपरीत परिस्थिति में भी न घबराना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा? किससे कहा?
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, मुहावरों का वाक्य-प्रयोग, वाक्य-रचना
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, चरित्र-चित्रण, कारण, परिणाम, समस्या समाधान
रचनात्मक कार्य Art Integration	इंटरनेट की सहायता से कहानी पढ़कर कक्षा में सुनाना, अभिनय, अँगूठी कैसे ढूँढ़ते – कक्षा में बताना
जीवन मूल्य Values	विपरीत परिस्थिति में भी न घबराना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी अकबर-बीरबल के किस्सों से ली गई है। अकबर के दरबार में नौ योग्य मंत्री थे। उन्हें 'नवरत्न' कहा जाता था। उनमें से एक थे – बीरबल। वे अपनी चतुराई, हाजिर जवाबी और बुद्धिमानी के लिए जाने जाते थे। अकबर भी उन्हें बहुत मानते थे। इसलिए अन्य दरबारी बीरबल से चिढ़ते थे। वे हमेशा बीरबल का अपमान करने का प्रयास करते थे। एक दिन बीरबल दरबार में नहीं थे। अन्य दरबारियों को मौका मिल गया। वे तुरन्त अकबर के पास आए और बोले कि बीरबल आज-कल जादू सीख रहे हैं। इस बात का उन्हें घमण्ड हो गया है। अकबर उनकी चाल समझ गए। फिर भी उन्होंने तुरन्त बीरबल को बुलाया और बोले – "मेरी हीरे की अँगूठी कहीं खो गई है। सुना है, तुम्हारे पास जादुई शक्ति है। तुम अपनी शक्ति से मेरी अँगूठी का पता लगा सकते हो?" बीरबल समझ गए कि इसमें ज़रूर दरबारियों की ही कोई चाल है। वे बोले – "मेरी जादुई शक्ति से आपकी अँगूठी अपने आप आपकी ऊँगली में आ जाएगी।" यह कहकर बीरबल ने एक कागज़ पर कुछ आड़ी-टेढ़ी रेखाएँ खींचीं और बोले – "जिस ऊँगली की अँगूठी खोई है, उसके बारे में इसपर लिख दीजिए।" अकबर ने ऐसा ही किया। फिर बीरबल ने चावल के कुछ दाने अपनी मुट्ठी में लिए और कुछ मंत्र-सा पढ़कर दरबारियों पर फेंक दिए। यह देखकर एक दरबारी घबरा गया। बीरबल ने यह देख लिया। वे तुरन्त अकबर से बोले – "आपकी

अँगूठी मिल गई है।" अकबर ने पूछा – "कहाँ है?" बीरबल ने उस दरबारी की ओर इशारा करके कहा – "उस दरबारी के पास है।" वास्तव में अकबर ने ही उस दरबारी को अँगूठी छुपाने के लिए कहा था। पर उसकी घबराहट ने उसकी पोल खोल दी। बीरबल की चतुराई से अकबर खुश होकर बोले – "बीरबल, मैं तुम्हारी बुद्धिमानी से बहुत प्रसन्न हूँ। यह हीरे की अँगूठी तुम्हारा पुरस्कार है।" बीरबल अँगूठी पाकर बहुत प्रसन्न हुए। दरबारी फिर अपना-सा मुँह लेकर रह गए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी बुद्धिमत्ता, सूझ-बूझ और तुरत बुद्धि पर आधारित तो है, साथ ही यह भी संदेश देती है कि हमें कभी किसी का बुरा नहीं सोचना चाहिए। विद्यार्थियों को बताएँ कि हमें हर परिस्थित में सोच-विचार कर और बुद्धि से काम लेना चाहिए। किसी का बुरा कभी भी नहीं सोचना चाहिए। किसी के भी साथ अन्याय नहीं करना चाहिए। सदैव सत्य का साथ देना चाहिए। यदि विद्यार्थी भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो उन्हें इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर कहानी सुना दें।** फिर पूछें कि जिस प्रकार बीरबल ने इस कहानी में अपनी बुद्धि से काम लेकर पुरस्कार प्राप्त किया, क्या आप अकबर-बीरबल से सम्बन्धित ऐसी ही कोई और कहानी जानते हैं? यदि हाँ, तो उसे सुनाने के लिए कहें। इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. कहानी में क्योंकि यह बात भी है कि हमें किसी का बुरा नहीं सोचना चाहिए, अत: विद्यार्थियों के साथ इस विषय पर चर्चा करें। उनके अनुभव जानें। इस विषय से सम्बन्धित तेनालीरामा की कोई कहानी हो सकती है। वह सुनाएँ या विद्यार्थियों से कहें कि वे सुनाएँ। फिर उस कहानी पर कक्षा में बातचीत कर सकते हैं।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **अँगूठी में क्या लगा हुआ था?**
     ☐ पत्थर ☐ मोती ☐ हीरा

10. पाठ में आए **मुहावरों** को पहले श्यामपट्ट पर **वाक्य में प्रयोग करके** समझा दें। उसके बाद पाठ्यपुस्तक या कॉपी में लिखवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में पहले श्यामपट्ट पर बता दें कि सारणी की सहायता से **वाक्य रचना** किस प्रकार करनी है। उसके बाद पाठ्यपुस्तक अथवा कॉपी में वाक्य रचना करवाएँ।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें कि वह दरबारी जिसके पास अँगूठी थी, वह क्यों घबरा गया था?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्‌यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) अकबर के दरबार में नौ योग्य मंत्री थे। उन्हीं को 'नवरत्न' कहा जाता था।
   (ख) बीरबल अपनी चतुराई, बुद्‌धिमानी और हाज़िर-जवाबी के लिए जाने जाते थे।
   (ग) दरबारियों ने अकबर से बीरबल के बारे में कहा कि आजकल बीरबल दरबार के काम में ध्यान नहीं दे रहे हैं।
   (घ) अकबर ने बीरबल को हीरे की अँगूठी पुरस्कार में दी क्योंकि बीरबल ने दरबारियों की चाल को असफल कर दिया था।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ बीरबल को (ख) ☑ हीरे की अँगूठी (ग) ☑ आढ़ी-तिरछी रेखाएँ खींच दीं (घ) ☑ दरबारियों पर

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) अकबर बीरबल को उसकी चतुराई, बुद्धिमानी और उनकी हाज़िर-जवाबी के कारण मानते थे।
   (ख) दरबारी बीरबल से इसलिए चिढ़ते थे क्योंकि अकबर हमेशा हर विषय पर बीरबल की सलाह लेते थे।
   (ग) अकबर ने बीरबल से अपनी हीरे की अँगूठी जादुई शक्ति से ढूँढ़ने को कहा।
   (घ) दरबारी ने अपनी जेब पर कसकर हाथ इसलिए रखा था क्योंकि उसको डर था कि कहीं सच में बीरबल के जादू से उसकी जेब में रखी अँगूठी बीरबल के पास न चली जाए।
3. (क) दरबारी ने | अकबर से
   (ख) अकबर ने | बीरबल से
   (ग) बीरबल ने | अकबर से

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. पोल खुलना – दरबारियों ने बीरबल को नीचे दिखाने का प्रयास किया परन्तु अंत में उनकी **पोल खुल गई**।

   अपना-सा मुँह लेकर रह जाना – क्रिकेट में अपनी टीम को हारता देखकर रोहित **अपना-सा मुँह लेकर रह गया।**
2. (i) अकबर दरबारियों की चाल समझ गए।
   (ii) अकबर ने सैनिक को आदेश दिया।
   (iii) अकबर बीरबल को बहुत मानते थे।

सोचो और बताओ Think & Tell

सभी प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध (Comprehension)

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) नौ
   (ख) चिढ़ते
   (ग) हीरे की
2. (क) अकबर हर बात में बीरबल की सलाह इसलिए लेते थे, क्योंकि वे बहुत बुद्धिमान थे।
   (ख) जब बीरबल ने अकबर से कहा कि आपकी अँगूठी उस दरबारी के पास है तो दरबारी समझ गए कि उनकी चाल असफल हो गई है क्योंकि अँगूठी सचमुच उसी दरबारी के पास थी।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. (क) रहा है (ख) रही है (ग) रहा है (घ) रहे हैं
4. (क) उनमें से एक थे – बीरबल।
   (ख) बीरबल को बुलाकर लाओ।
   (ग) बीरबल ने एक कागज़ लिया।
   (घ) अँगूठी पाकर बीरबल बहुत प्रसन्न हुए।

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 7 : मिट्ठू और गोपाल

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes

- पशु-पक्षी प्रेम
- जीवों के प्रति दया
- सहानुभूति एवं स्वभाव
- जानवरों के प्रति संवेदना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, किसने कहा? किससे कहा? सही-गलत लिखना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, पुल्लिंग-स्त्रीलिंग, विलोम शब्द से रिक्त स्थान भरना
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	वर्णन, कारण, परिणाम, कल्पना, समस्या समाधान
रचनात्मक कार्य Art Integration	सूची बनाना, नाम रखना, चिड़ियाघर का वर्णन डायरी में लिखना
जीवन मूल्य Values	जीवों के प्रति दया भाव
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी पशु-पक्षी प्रेम पर आधारित है। एक बालक, जो एक बन्दर से इतना प्रेम करता था कि उसके बिना रह नहीं सकता था। यह एक बन्दर और एक लड़के की दोस्ती की कहानी है। एक बार लखनऊ शहर में एक सरकस कम्पनी आई थी। उसके पास शेर, चीता और कई तरह के जानवर थे। इसके अलावा एक बन्दर भी था, जिसका नाम मिट्ठू था। शहर के कई लड़के उन जानवरों को देखने आते थे। उन्हीं लड़कों में एक लड़का गोपाल भी था। वह रोज़ मिट्ठू को खिलाने के लिए चने, मटर और केले देता था। इस तरह दोनों की मित्रता हो गई। एक दिन गोपाल ने सुना कि सरकस कम्पनी किसी दूसरे शहर में जा रही है। यह सुनकर गोपाल को बहुत दुख हुआ। वह रोता हुआ अपनी माँ के पास आया और अठन्नी माँगी, ताकि वह गोपाल को खरीद सके। बहुत जिद्द करने पर माँ ने मजबूर होकर अठन्नी दे दी। अठन्नी लेकर वह सरकस कम्पनी में आया। वह मिठ्ठू को ढूँढ़ने में इतना मगन था कि उसे पता ही नहीं लगा, कब वह चीते के पिंजरे के पास आ गया। चीता पंजा बाहर निकालकर गोपाल को पकड़ने की कोशिश करने लगा। अचानक मिट्ठू गोपाल को बचाने के लिए उसपर कूद पड़ा तो चीते ने दूसरे पंजे से उसे घायल कर दिया। यह देखकर गोपाल डर के कारण रोने लगा। उसका रोना सुनकर लोग इकट्ठा हो गए।

उन्होंने मिट्ठू के घाव पर दवा लगाई। कई दिनों की मरहम-पट्टी के बाद मिट्ठू एकदम ठीक हो गया। और एक दिन सरकस कम्पनी के जाने का समय आ गया! गोपाल वहीं था। वह बहुत दुखी था। तब सरकस के मालिक ने गोपाल को मिट्ठू दे दिया। गोपाल को तो जैसे कोई खज़ाना मिल गया! वे दोनों खेलते-कूदते हुए घर पहुँच गए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. इस कहानी में पशुओं की बात आई है। विद्यार्थियों से पूछें कि कौन-कौन से पशु हैं, जिन्हें पाला जा सकता है और किन्हें पाला नहीं जा सकता। ध्यान दें कि वे उन पशुओं के नाम हिन्दी में ही बताएँ।
2. कहानी पढ़कर समझ आता है कि गोपाल बहुत दयालु स्वाभाव का है और उसे पशु-पक्षियों से लगाव भी है। क्या इस प्रकार का स्वभाव होना अच्छी बात है? हमें पशु-पक्षियों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए? क्या नहीं करना चाहिए? इस तरह के प्रश्न पूछें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. अब बताएँ कि पशु-पक्षियों को प्यार देने से, उनकी देखभाल करने से उन्हें भी हमसे लगाव हो जाता है। वे भी हमें प्यार करने लगते हैं और मुसीबत में हमारा साथ देते हैं।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **गोपाल को कौन-सा पशु पसन्द था?**

     ☐ **एक चीता** ☐ **एक बन्दर** ☐ **एक घोड़ा**
10. श्यामपट्ट पर **पुल्लिंग-स्त्रीलिंग की परिभाषा** उदाहरण सहित समझाएँ। इसके बाद पाठ्यपुस्तक में जोड़े बनवाएँ, फिर कॉपी में लिखवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में पहले श्यामपट्ट पर **विलोम शब्द** समझा दें। इसके बाद पाठ्यपुस्तक या कॉपी में करवाएँ।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि सरकस के मालिक ने गोपाल को मिट्ठू दे दिया। यह उसने सही किया या गलत? कारण सहित बताने को कहें।

13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) सरकस-कम्पनी लखनऊ शहर में आई थी।
   (ख) कहानी में मिट्ठू सरकस के बन्दर का नाम है।
   (ग) मिट्ठू के दोस्त का नाम गोपाल है।
   (घ) झुण्ड-के-झुण्ड सरकस के जानवरों को देखने आते थे।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ एक बन्दर से (ख) ☑ पचास पैसे (ग) ☑ मिट्ठू के पासं
(घ) ☑ मिट्ठू ने

लिखित Writing

1. विद्यार्थी से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) सरकस कम्पनी में शेर, भालू, चीता और कई तरह के और भी जानवर थे।
   (ख) गोपाल ने जब सुना कि सरकस कम्पनी उसके शहर से किसी दूसरे शहर में जा रही है, तब वह दुखी हो गया।
   (ग) माँ ने गोपाल को समझाया कि बन्दर किसी को प्यार नहीं करता, वह शैतान होता है तथा यदि उसे घर लाया गया तो वह सबको काटेगा।

(घ) गोपाल मिट्ठू को घर इसलिए लाना चाहता था क्योंकि मिट्ठू जिस सरकस कम्पनी में था, वह दूसरे शहर को जा रही थी।

3. (क) गोपाल ने माँ से
   (ख) माँ ने गोपाल से
   (ग) सरकस के मालिक ने गोपाल से

4. (क) गलत (ख) गलत (ग) सही (घ) सही (ङ) सही

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.

बन्दर	बन्दरिया
मालिक	मालकिन
लड़का	लड़की
शेर	शेरनी
पिता	माता

2. (क) घृणा (ख) आशा (ग) मित्रता (घ) बाहर (ङ) हँसो

सोचो और बताओ Think & Tell

सभी प्रश्नों का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध (Comprehension)

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) मित्रता
   (ख) मिट्ठू
   (ग) खज़ाना

2. (क) गोपाल मिट्ठू के लिए घर से चने, मटर और केले लाकर उसे खिलाता था। इस तरह दोनों की मित्रता हो गई।
   (ख) गोपाल मिट्ठू को ढूँढ़ता हुआ चीते के पिंजरे के पास पहुँच गया था। गोपाल

को पिंजरे के पास देखकर चीते ने उसे पंजे से मारना चाहा। उसे बचाने के लिए मिट्ठू चीते के पंजे पर कूद पड़ा। इसपर चीते ने दूसरा पंजा निकालकर मिट्ठू को घायल कर दिया।

(ग) सरकस के मालिक ने गोपाल को मिट्ठू इसलिए दे दिया होगा, क्योंकि उसने अपनी आँखों से गोपाल और मिट्ठू की दोस्ती को देखा था। गोपाल हर समय मिट्ठू के साथ ही रहता था। उसकी देखभाल करता था। उसने यह भी देखा होगा कि मिट्ठू भी गोपाल को अपना मानता है।

3. (X), (√),(√), (X), ((√)

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. (क) सरकस कम्पनी के पास शेर, भालू, चीता और कई तरह के जानवर थे।
   (ख) एक बन्दर भी था, जिसका नाम मिट्ठू था।
   (ग) रीना, सोम, मीता, रोहन और राधा एक ही कक्षा में पढ़ते हैं।
   (घ) फिर मैं घर कैसे जाऊँगा?
   (ङ) उसका नाम गोपाल है।

5. इधर-उधर – बगीचे में बच्चे **इधर-उधर** घूम रहे थे।
   मरहम-पट्टी – डॉक्टर ने मेरे हाथ में लगी चोट पर **मरहम-पट्टी** कर दी।
   खेलते-कूदते – हम **खेलते-कूदते** घर पहुँच गए।

6. [1] खिलौना मिलते ही नरेश **मारे खुशी के फूल उठा।**
   [2] रोहन के कक्षा में प्रथम आने का समाचार सुनकर उसके माता-पिता **मारे खुशी के फूल उठे।**

रचनात्मक कार्य Creative Work

7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
8. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 8 : तालाब का जल

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• धैर्य • परोपकार • शान्त चित्त होना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कहानी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, एकवचन-बहुवचन, 'ई' प्रत्यय से शब्द बनाना
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कारण, परिणाम, कार्य-कारण सम्बन्ध, समस्या समाधान, संदेश
रचनात्मक कार्य Art Integration	जातक कथाएँ पढ़ना, इंटरनेट की सहायता से बौद्ध काल में प्रयोग किए जाने वाले यातायात के साधनों के बारे में पता करना, पानी के स्रोतों की पहचान
जीवन कौशल Life Skills	हर परिस्थिति में मन को शान्त रखना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी जातक कथाओं से ली गई है। इसमें बताया गया है कि जब मन अशान्त हो या क्रोधित हो तो कोई भी कार्य करने से पहले थोड़ा ठहर जाना चाहिए। ऐसा करने से हम गलत निर्णय लेने से बच जाएँगे। एक बार गौतम बुद्ध अपने शिष्यों के साथ पैदल यात्रा

पर जा रहे थे। चलते-चलते उन्हें लगा कि शिष्य थक गए होंगे। इसलिए वे विश्राम करने के लिए रुक गए। उन्होंने अपने एक शिष्य को सबके लिए पानी लेना भेजा। वह शिष्य एक तालाब पर गया। वहाँ एक बैल खड़ा हुआ था। शिष्य को देखकर वह डर गया और दौड़कर तालाब में चला गया। तालाब में जाने से पानी हिला और गंदा हो गया। शिष्य ने सोचा कि गुरु जी के लिए गंदा पानी ले जाना ठीक नहीं होगा। यह सोचकर वह आगे बढ़ गया। पर उसे कहीं भी पानी नहीं मिला। उसने लौट कर गौतम बुद्ध को सारी बात बताई। गौतम बुद्ध ने मुस्कुराकर उसे उसी तालाब से जल लाने के लिए कहा। साथ ही यह भी कहा कि पानी गंदा हो तो कुछ देर रुक जाना। पर जल उसी तालाब से लाना। शिष्य फिर उस तालाब पर गया। उसने देखा पानी बिलकुल साफ़ था। मिट्टी नीचे बैठ चुकी थी। शिष्य जल लेकर लौट आया। गौतम बुद्ध ने उसे सीख देते हुए कहा – "इस बात को सदैव याद रखना। यह तुम्हें धैर्यवान बनना सिखाएगी। जब कभी मन अशान्त हो तो थोड़ा समय लेना चाहिए। इससे मन की सारी चिन्ताएँ नीचे बैठ जाती हैं।" इस अनमोल सीख को सुनकर शिष्य बहुत प्रसन्न हुआ। गौतम बुद्ध ने पहले अपने शिष्यों को पानी पिलाया, फिर स्वयं पानी पीया। उसके बाद वे आगे बढ़ गए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी जातक कथाओं पर आधारित है। विद्यार्थियों को बताएँ कि गौतम बुद्ध से सम्बन्धित कथाएँ, जातक कथाएँ कहलाती हैं। उनसे पूछें कि क्या उन्होंने कभी कोई जातक कथा सुनी है? यदि हाँ तो सुनाने को कहें। फिर कहें कि आप गौतम बुद्ध के विषय में जो कुछ भी जानते हैं, बताएँ। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर कहानी** सुना दें। कहानी में बताया गया है कि जब मन अशान्त हो या क्रोधित हो तो कोई भी कार्य करने से पहले थोड़ा ठहर जाना चाहिए। ऐसा करने से हम गलत निर्णय लेने से बच जाएँगे। पूछें, क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि आपने क्रोध में आकर कोई गलत काम किया हो और फिर उस काम के कारण बड़ों ने आपको डाँटा हो? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. जातक कथाओं की बात को आगे बढ़ाते हुए 'डाकू अँगुलिमाल' की कहानी सुना दें। फिर उसपर कुछ बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।

9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **तालाब के पास कौन खड़ा था?**
     ☐ **हिरण** ☐ **बैल** ☐ **हाथी**
10. **भाषा और व्याकरण** के अंतर्गत **गतिविधि-1** में श्यामपट्ट पर पहले **समानार्थी शब्दों** की परिभाषा उदाहरण सहित लिखकर समझाएँ। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करवाएँ।
11. फिर **गतिविधि-2** में श्यामपट्ट पर पहले **एकवचन-बहुवचन** शब्दों की परिभाषा उदाहरण सहित लिखकर समझाएँ। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करवाएँ। **गतिविधि-3** 'ई' प्रत्यय से शब्द निर्माण किस प्रकार होगा और किस प्रकार उस शब्द का अर्थ बदल जाएगा यह पहले श्यामपट्ट पर समझा दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि आपको क्या लगता है, गौतम बुद्ध ने अपने शिष्य को जो सीख दी, वह सही है? तर्क सहित उत्तर निकलवाएँ।
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) गौतम बुद्‌ध गरमी के मौसम में शिष्यों के साथ पैदल यात्रा कर रहे थे। वे इसलिए रुक गए क्योंकि उनको लगा कि शिष्य चलते-चलते थक गए होंगे।

(ख) गौतम बुद्ध ने शिष्य से सबके लिए पानी लाने को कहा।

(ग) एक बैल के तालाब में जाने के कारण तालाब का पानी मटमैला हो गया।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ पैदल (ख) ☑ तालाब के पास (ग) ☑ तालाब का पानी मटमैला हो गया।

(घ) ☑ कुछ समय रुक जाना चाहिए।

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) जब गौतम बुद्ध का शिष्य पानी लेने के लिए आगे बढ़ा, तब वहाँ खड़ा हुआ बैल घबरा गया।

   (ख) बैल के तालाब में चले जाने से तालाब का पानी मटमैला हो गया था। इसलिए शिष्य ने वह गन्दा पानी नहीं लिया।

   (ग) गौतम बुद्ध ने शिष्य को उसी तालाब से पानी लाने के लिए कहा।

   (घ) अन्त में गौतम बुद्ध ने शिष्य को धैर्यवान बनने की सीख दी। उन्होंने कहा कि मन के अशान्त होने पर कोई कार्य नहीं करना चाहिए। थोड़ा समय लेना चाहिए ताकि हमारी चिन्ताएँ नीचे बैठ जाएँ और मन शान्त हो जाए।
3. (क) थक (ख) विश्राम (ग) बैल (घ) गन्दा (ङ) अनमोल

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1.	कम	–	थोड़ा	मैला	–	गन्दा
	वृक्ष	–	पेड़	ग्रीष्म	–	गरमी
	पानी	–	जल	शिक्षक	–	अध्यापक
	स्वच्छ	–	साफ़	सरोवर	–	तालाब
2.	घोड़ा	–	घोड़े	कार	–	कारें
	पत्ता	–	पत्ते	रात	–	रातें
	टीला	–	टीले	चाल	–	चालें
3.	ज्ञान	–	ज्ञानी	बड़ा	–	बड़ी
	शैतान	–	शैतानी	अच्छा	–	अच्छी
	हैरान	–	हैरानी	पहला	–	पहली
	बुद्धिमान	–	बुद्धिमानी	दूसरा	–	दूसरी

सोचो और बताओ Think & Tell

सभी प्रश्नों का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
सभी कार्य निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन कौशल Life Skills
विद्यार्थी स्वयं उत्तर देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इस विषय में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध (Comprehension)

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. [1] चलते-चलते उन्हें लगा कि शिष्य थक गए होंगे।
   [2] बैल के भागने से तालाब का पानी गन्दा-मटमैला-सा हो गया था।
   [3] अगर जल गन्दा हो तो थोड़ी देर रुक जाना।
   [4] उसने देखा कि तालाब का पानी फिर से बिलकुल साफ़ हो गया हो गया था।
   [5] गौतम बुद्ध की इस अनमोल सीख को सुनकर शिष्य बहुत प्रसन्न हुआ।
2. (क) गौतम बुद्ध ने शिष्य को पानी लाने के लिए कहा।
   (ख) शिष्य को वहाँ से गए हुए बहुत देर हो गई थी। तब तक पानी फिर से शान्त हो गया था। वह हिल नहीं रहा था। इस कारण सारी मिट्टी नीचे बैठ गई थी और पानी फिर से साफ़ हो गया था।
   (ग) 'जब मन अशांत हो या क्रोध आ रहा हो, तब कुछ भी करने से पहले, कुछ देर रुक जाना चाहिए।' यह बात धैर्यवान बनना सिखाएगी।
3. (क) गौतम बुद्ध ने (ख) शिष्य ने (ग) गौतम बुद्ध ने (घ) गौतम बुद्ध ने

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. (क) पानी (ख) स्वच्छ
   (ग) खुश (घ) पास
5. (क) मैं स्कूल से घर **पैदल** जाता हूँ।
   (ख) तेज गरमी के कारण मुझे बहुत **प्यास** लगी है।
   (ग) महात्मा सदा **अनमोल** सीख देते हैं।

रचनात्मक कार्य Creative Work
6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 9 : चलो चलें, जंगल की ओर

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• प्रकृति प्रेम • पशु-पक्षी प्रेम • प्रकृति संरक्षण • वृक्षों का महत्त्व

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	कविता
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कविता की पंक्तियाँ पूरी करना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, तुकान्त शब्द, विशेषण
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	कल्पना, अनुमान, आशय, वर्णन, चरित्र-चित्रण
रचनात्मक कार्य Art Integration	जंगल का चित्र बनाना, अनुभव बताना, स्क्रेप बुक में जंगली जानवरों के चित्र चिपकाना
जीवन मूल्य Values	प्रकृति संरक्षण की ओर प्रेरित होना
डिजिटल Digital	कविता का ऑडियो, कविता का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

कविता का सारांश Summary

यह कविता पेड़-पौधों के महत्त्व को प्रतिपादित कर रही है। कविता में कवि कह रहे हैं कि हमें जंगलों की ओर चलना चाहिए, उनकी रक्षा करनी चाहिए, जहाँ घने-घने पेड़ होते हैं। जहाँ रात को जुगनू चमकते हैं और तेज़ हवा चलने पर फूलों वाले पेड़-पौधों से फूल झड़ते हैं। जंगल, जहाँ दिन-रात पक्षी चहकते हैं, हमें उन जंगलों की ओर चलना चाहिए, उनकी रक्षा करनी चाहिए। जंगल, जहाँ, झरनों का मीठा पानी होता है; जहाँ पक्षी जिस ओर उनका मन चाहे, उस ओर स्वतन्त्रता पूर्वक उड़ सकते हैं। और तो और, जिस ओर

भी देखो, उसी ओर जंगल की शोभा निराली होती है। अत: हमें जंगलों की ओर दृष्टि डालनी चाहिए, उनकी रक्षा करनी चाहिए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कविता पेड़-पौधों एवं जंगलों की रक्षा पर आधारित है। साथ ही यह जंगल की सुंदरता का भी वर्णन कर रही है। विद्यार्थियों से जंगल के विषय में बातें करें। उन्हें जंगलों का महत्त्व समझाएँ। फिर पूछें कि पेड़-पौधे हमारे लिए क्या-क्या करते हैं? उन्हें कौन-सा पेड़ या पौधा सबसे अच्छा लगता है? उनके घर में कौन-कौनसे पेड़ या पौधे लगे हुए हैं? यदि वे भी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **कविता पढ़कर** सुना दें। फिर पूछें, यदि मनुष्य अपनी ज़रूरतों के लिए जंगलों को काटता चला जाएगा तो इसका क्या असर होगा? उनसे पूछें कि कविता में जंगलों की जो-जो विशेषताएँ बताई गई हैं, क्या सच में जंगल ऐसे ही होते हैं? क्या आप में से कोई अपने माता-पिता के साथ कभी जंगल में घूमने गया है? यदि हाँ, तो बताओ, आपने वहाँ क्या-क्या देखा? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप पाठ पढ़ें और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. इसके बाद विद्यार्थियों से पेड़-पौधों के नाम तथा उनपर लगने वाले फूलों और फलों के विषय में भी बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो** सुनाकर उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **जंगल में कौन चमकते हैं?**
     ☐ **मच्छर** ☐ **भँवरे** ☐ **जुगनू**
10. **भाषा और व्याकरण** के अंतर्गत **गतिविधि-1** में पहले श्यामपट्ट पर लिखकर बताएँ कि कौन-से शब्द **तुकान्त शब्द** होते हैं। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। इसके बाद कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करने के लिए दें।
11. **गतिविधि-2** में दिए गए शब्दों के सही **विशेषण शब्द** पहले **मौखिक रूप** से

पूछ लें। फिर श्यामपट्ट पर अतिरिक्त उदाहरण द्वारा भी समझाएँ। इसके बाद कॉपी या पाठ्यपुस्तक में करने के लिए दें।

12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्‌यार्थियों से पूछें कि कवि ने क्या केवल जंगल में पाए जाने वाले पेड़-पौधो की रक्षा की ही बात कही है या फिर सभी पेड़-पौधों की?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें। साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्‌यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्‌यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) कविता में जंगल की ओर चलने की बात हो रही है।
   (ख) घने पेड़ों की ओर चलने की बात हो रही है।
   (ग) रात को जुगनू के चमकने की बात हो रही है।
   (घ) झरने का पानी मीठा है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ घने-घने (ख) ☑ फूल (ग) ☑ मनमानी (घ) ☑ न्यारी

लिखित Writing

1. विद्‌यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) इस पंक्ति का अर्थ है कि जंगल में घने पेड़ फूलों की वर्षा करते हैं। पेड़ों से फूल झरते हैं।

(ख) जंगल में हर रात जुगनू चमकता है।
(ग) जंगल की कहानी बहुत न्यारी है।
(घ) जंगल में पक्षी बिना किसी बाधा के, अपनी मनमानी करते हुए उड़ते हैं।

3. (क) घने-घने पेड़ों की ओर।
(ख) होती फूलों की बरसात।
(ग) उड़ते पक्षी की मनमानी।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. पानी – मनमानी
रात – बात
कहानी – सुहानी

2.

गरम दूध	पक्का रास्ता
अपना घर	उड़ता पक्षी
हरा बगीचा	पीला फूल
टूटा गिलास	सुन्दर तालाब

सोचो और बताओ Think & Tell
सभी प्रश्नों का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके विषय में बातें करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work
विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values
विद्यार्थी स्वयं उत्तर देंगे। आप विद्यार्थियों से इस विषय में बातें करें, सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध (Comprehension)

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) मीठा, पक्षी
(ख) जंगल, शोभा

2. (क) कविता की इन पंक्तियों का अर्थ है – कवि घने जंगलों की ओर जाने के लिए और उनकी रक्षा करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

(ख) कविता की इन पंक्तियों का अर्थ है – जंगलों में जो झरने होते हैं, उनका पानी बहुत मीठा होता है। जंगल में पक्षी अपनी इच्छा से जहाँ चाहे वहाँ उड़ते हैं।

3. इस कविता से कवि जंगलों की रक्षा करने का संदेश दे रहे हैं।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4.

मीठा	x	कड़वा
फूल	x	काँटा
गाँव	x	शहर
छोड़ना	x	पकड़ना
चमकना	x	बुझना

रचनात्मक कार्य Creative Work

5. [1] नीम
   [2] पीपल
   [3] नारियल
   [4] बरगद
   [5] गुलमोहर

पाठ 10 : मैडम क्यूरी

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• वैज्ञानिक सोच का विकास • कठिनाइयों से हार न मानने की सीख • मेहनत, लगन और परिश्रम का महत्त्व • सकारात्मक सोच

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	जीवनी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, सही-गलत का चिह्न लगाना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, 'ता' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाना, विलोम शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	चरित्र-चित्रण, वर्णन, परिणाम, समस्या समाधान, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	नोबेल पुरस्कार पर जानकारी प्राप्त करके लिखना, चर्चा करना
जीवन कौशल Life Skills	परिश्रम का महत्त्व समझना एवं वैज्ञानिक सोच की ओर प्रेरित करना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी प्रसिद्ध वैज्ञानिक मैडम क्यूरी पर आधारित है। मैडम क्यूरी का नाम हम सबने सुना है। एक्स-रे में काम आने वाले रेडियम की खोज उन्होंने ही की थी। उन्हें दो बार 'नोबेल पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। मैडम क्यूरी का जन्म 7 नवंबर, 1867 को पोलैंड के वारसा शहर में हुआ था। बचपन से ही उनकी पढ़ने-लिखने में बहुत रुचि थी। उन्होंने चार वर्ष ट्यूशन आदि करके धन इकट्ठा किया और पेरिस के सोरबेन कॉलेज में

प्रवेश लिया। वहाँ इनकी मित्रता डॉक्टर पियरे क्यूरी से हुई। उनसे विवाह करने के पश्चात् वे मैडम क्यूरी कहलाने लगीं। डॉक्टर पियरे क्यूरी और मैडम क्यूरी ने दिन-रात कठिन मेहनत करके रात में चमकने वाले पदार्थ 'रेडियोएक्टिविटी' की खोज की। इसके लिए दोनों को 1903 में भौतिक शास्त्र के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी दो बेटियाँ थीं – आइरीन और ईव। 1906 में एक दुर्घटना में डॉक्टर पियरे क्यूरी का निधन हो गया। उसके बाद मैडम क्यूरी पूरी तरह अपने काम में डूब गईं। 1913 में उन्हें रसायन शास्त्र में योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार मिला। दो बार नोबेल पुरस्कार पाने वाली वे पहली महिला बनीं। लम्बे समय तक विकिरण के सम्पर्क में रहने के कारण उनका स्वास्थ्य खराब रहने लगा। 4 जुलाई, 1934 को एनीमिया बीमारी के कारण उनका देहान्त हो गया। मैडम क्यूरी के परिवार का हर सदस्य नोबेल पुरस्कार से सम्मानित है – आइरीन क्यूरी को रसायन शास्त्र में योगदान के लिए और ईव क्यूरी को शान्ति के लिए नोबेल पुरस्कार मिला था। मैडम क्यूरी अपने प्रयोगों के साथ-साथ द्वितीय विश्व युद्ध के समय किए गए भलाई के कार्यों के लिए भी प्रसिद्ध हैं।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ एक वैज्ञानिक से सम्बन्धित है। विद्यार्थियों को कुछ भारतीय वैज्ञानिकों के नाम बताएँ। उनके द्वारा किए गए एक-दो आविष्कारों की जानकारी भी दे दें। यदि विद्यार्थियों के कुछ प्रश्न हों तो उनके भी उत्तर दे दें।
2. अब **पाठ पढ़कर सुना दें।** फिर पूछें कि जिस प्रकार मैडम क्यूरी ने दिन-रात मेहनत करके मानवता की सेवा की, क्या आप ऐसे किसी व्यक्ति को जानते हैं? यदि हाँ तो उसके बारे में बताने के लिए कहें। पूछें, कौन-कौन बड़ा होकर वैज्ञानिक बनाना चाहता है? वे किस चीज़ की खोज करना चाहेंगे और उसके लिए वे क्या-क्या करेंगे? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने** की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए मूलपाठ का उच्चारण सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पाठ क्योंकि विज्ञान पर आधारित है, अत: विज्ञान से सम्बन्धित बातें करें। पूछें कि विज्ञान किस प्रकार हमारे दैनिक जीवन के कामों में हमारी सहायता करता है? इस विषय पर चर्चा करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।

9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **मैडम क्यूरी के परिवार में किस-किसको नोबेल पुरस्कार मिला?**
     - ☐ **मैडम क्यूरी, उनके पति और उनकी दोनों बेटियों को**
     - ☐ **केवल मैडम क्यूरी को**
     - ☐ **मैडम क्यूरी और उनके पति को**
10. **'ता' प्रत्यय से शब्द निर्माण** किस प्रकार होगा और किस प्रकार उस शब्द का अर्थ बदल जाएगा, यह पहले श्यामपट्ट पर समझा दें। उसके बाद पाठ्यपुस्तक अथवा कॉपी में करवाएँ।
11. **भाषा और व्याकरण** के अंतर्गत **गतिविधि-2** में पहले **विलोम शब्दों** को मौखिक रूप से पूछ लें। कुछ अतिरिक्त उदाहरण भी दें। उसके बाद पाठ्यपुस्तक अथवा कॉपी में करवाएँ।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि रेडियम की खोज किस प्रकार चिकित्सा के क्षेत्र में सहायक हुई है?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) मैडम क्यूरी का जन्म 7 नवम्बर, 1867 को वारसा में हुआ था।
   (ख) मैडम क्यूरी को दो नोबेल पुरस्कार मिले।

(ग) उनके पति का नाम पियरे क्यूरी था।

(घ) उन्हें भौतिक शास्त्र के लिए नोबेल पुरस्कार मिला था।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ पौलेण्ड में (ख) ☑ दो बार (ग) ☑ भौतिकी (घ) ☑ विकिरण के सम्पर्क में रहने के कारण

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) मैडम क्यूरी ने 'एक्स-रे' में काम आने वाले 'रेडियम' तथा 'पोलोनियम' का आविष्कार किया।

   (ख) मैडम क्यूरी को पहली बार 'नोबेल पुरस्कार' अपने पति के साथ 'रेडियोएक्टिविटी' की खोज के लिए मिला।

   (ग) मैडम क्यूरी को दूसरी बार 'नोबेल पुरस्कार' 'पोलोनियम' और 'रेडियम' की खोज के लिए मिला।

   (घ) मैडम क्यूरी की दो बेटियाँ थीं।

   (ङ) मैडम क्यूरी के परिवार की रोचक बात यह थी कि उनके परिवार का हर सदस्य 'नोबेल पुरस्कार' से सम्मानित है।

3. (क) ☑ (ख) ☑ (ग) ☒ (घ) ☒ (ङ) ☒

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. अज्ञानता
   शत्रुता
   निडरता

2.

दण्ड	x	पुरस्कार	बाहर	x	अन्दर
सरल	x	कठिन	मृत्यु	x	जन्म
शत्रुता	x	मित्रता	अन्तिम	x	प्रथम
असफल	x	सफल	पिछला	x	अगला

सोचो और बताओ Think & Tell

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके बारे में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध (Comprehension)

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (X), (X), (√), (√), ((√)
2. (क) 'एक्स-रे' के माध्यम से शरीर के अन्दर के भाग देखे जा सकते हैं।
   (ख) मैडम क्यूरी बहुत मेहनत करती थीं। अपनी मेहनत से उन्होंने मानवता की भलाई के लिए बहुत-से आविष्कार किए। उनकी यह बात मुझे सबसे अच्छी लगी। (अध्यापक के लिए : विद्यार्थी यदि कोई और बात लिखे जो सटीक हो तो उसे भी सही माना जाए।)
3. (क) विज्ञान (ख) प्रथम
   (ग) मित्रता (घ) पहली

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. (क) निडरता – **निडरता** एक ऐसा गुण है, जो हमें हर जगह सफलता दिला सकता है।
   (ख) अज्ञानता – **अज्ञानता** के कारण हम किसी संकट में भी पड़ सकते हैं।
   (ग) व्याकुलता – धीरे-धीरे उसकी **व्याकुलता** बढ़ती गई।
5. (क) कबड्डी
   (ख) चीनी
   (ग) घोड़ा
   (घ) गुब्बारा

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

पाठ 11 : बापू की सच्चाई

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• देश प्रेम • सच्चाई का महत्त्व • अपने पथ पर अडिग रहना • न्यायप्रियता

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	जीवनी
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, हाँ या नहीं में उत्तर देना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, विलोम शब्द, पुल्लिंग-स्त्रीलिंग
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	चरित्र-चित्रण, परिणाम, कारण, प्रेरणा, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	इंटरनेट की सहायता से गांधी जी के जीवन की घटना पता करके कक्षा में सुनाना, श्रवण कुमार की कहानी सुनाना, पोस्टर बनाना
जीवन मूल्य Values	सदैव सत्य बोलने की सीख
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, पाठ का ऑडियो, पाठ का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह पाठ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर आधारित है। महात्मा गांधी हमारे देश के राष्ट्रपिता हैं। हम सब उन्हें 'बापू' के नाम से भी जानते हैं। हमें उन्हीं के प्रयासों से स्वतन्त्रता मिली थी। उनका पूरा नाम मोहनदास करमचन्द गांधी था। बचपन में उन्होंने श्रवण कुमार की

कहानी पढ़ी थी। इस कहानी से उन्हें माता-पिता की सेवा करने की शिक्षा मिली। इसी प्रकार 'राजा हरिश्चन्द्र' नामक नाटक देखकर उन्होंने सदैव सत्य बोलने का निर्णय लिया। एक बार की घटना है। उनके विद्यालय में शिक्षा अधिकारी निरीक्षण के लिए आए। उन्होंने सब बच्चों से अंग्रेज़ी के कुछ शब्द लिखवाए। शिक्षक ने देखा कि बालक मोहनदास ने 'कैटल' शब्द गलत लिखा है। अध्यापक ने उन्हें इशारा किया कि वह अपने पास बैठे हुए लड़के की कॉपी में से देखकर शब्द सही कर ले। परन्तु मोहनदास ने ऐसा नहीं किया। सोचा कि गलत काम करके अधिक अंक पाने से अच्छा, मेहनत से सच्चे अंक पाना है, भले ही अंक कम क्यों न आएँ। महात्मा गांधी ने अहिंसा का सहारा लेकर कई आंदोलन किए, जिनमें प्रमुख हैं – असहयोग आन्दोलन, नमक सत्याग्रह आन्दोलन तथा भारत छोड़ो आंदोलन। इन आन्दोलनों से अंग्रेज़ घबरा गए और 15 अगस्त 1947 को हमारा देश अंग्रेज़ी शासन से स्वतन्त्र हो गया। गांधी जी के विचार आज भी हमारा मार्ग दर्शन कर रहे हैं।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह पाठ एक स्वतन्त्रता सेनानी पर आधारित है। विद्यार्थियों से स्वतन्त्रता संग्राम के विषय में बातें करें। कुछ प्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानियों के विषय में जानकारी दें। उनसे पूछें कि वे स्वतन्त्रता संग्राम के विषय में क्या जानते हैं। सबको बोलने का अवसर दें। यदि कोई विद्यार्थी इस विषय में कुछ कहना चाहता है तो इसका पूरा अवसर दें। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।
2. अब **पढ़कर पाठ** सुना दें। इसके बाद स्वतन्त्रता के महत्त्व पर चर्चा करें। भारत के कुछ ऐसे प्रसिद्ध स्थल हैं, जो स्वतन्त्रता संग्राम से सम्बन्धित हैं। उनके विषय में जानकारी दें और विद्यार्थियों से भी पूछें कि क्या वे भी ऐसे किसी स्थल के विषय में जानते हैं? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें सुनकर बोलने की क्षमता (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. पाठ क्योंकि एक स्वतन्त्रता सेनानी के विषय में है, अत: विद्यार्थियों को अन्य स्वतन्त्रता सेनानियों की जीवनी पढ़ने के लिए प्रेरित करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर**

विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–

- **महात्मा गांधी ने किसका नाटक देखकर सदैव सत्य बोलने का निर्णय लिया?**

  ☐ **श्रवण कुमार** ☐ **राजा हरिश्चन्द्र** ☐ **श्री कृष्ण**

10. पहले **भाषा और व्याकरण** के अंतर्गत दी गई **गतिविधि-1** में **विलोम शब्दों** को **मौखिक रूप** से पूछ लें। कुछ अतिरिक्त उदाहरण भी दें। उसके बाद पाठ्यपुस्तक अथवा कॉपी में करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में **स्त्रीलिंग-पुल्लिंग** पहले श्यामपट्ट पर समझा दें। इसके बाद कुछ अतिरिक्त उदाहरण देते हुए मौखिक रूप से पूछ लें। फिर कॉपी या पुस्तक में ही करने के लिए दें।
12. **साधारण चिंतन** को उद्बुद्ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि पाठ में स्वतन्त्रता संग्राम से सम्बन्धित किन-किन आन्दोलनों के नाम आए हैं?
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। **लिखित प्रश्न** गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।
15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) हम गांधी जी को 'बापू' के नाम से जानते हैं।
   (ख) गांधी जी त्याग और तपस्या की मूर्ति थे।
   (ग) गांधी जी बचपन में शर्मीले स्वभाव के थे।
   (घ) शिक्षक ने देखा कि बालक मोहनदास ने 'कैटल' शब्द गलत लिखा है।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ राजा हरिश्चन्द्र (ख) ☑ सत्य (ग) ☑ साहस

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) बालक मोहनदास पर हरिश्चन्द्र नाटक का यह प्रभाव पड़ा कि उन्होंने सदैव सत्य बोलने का निर्णय लिया।
   (ख) श्रवण कुमार की कहानी पढ़कर मोहनदास को माता-पिता की सेवा करने की शिक्षा मिली।
   (ग) बालक मोहनदास ने अध्यापक की बात इसीलिए नहीं मानी क्योंकि वे गलत काम करके अधिक अंक नहीं पाना चाहते थे।
   (घ) गांधी जी की आत्मकथा का नाम है– 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग।'
3. (क) हाँ (ख) हाँ (ग) नहीं (घ) हाँ (ङ) हाँ

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. सच x झूठ
   गलत x सही
   सत्य x असत्य
   धर्म x अधर्म
2. माता – पिता | रानी – राजा
   शेरनी – शेर | चाची – चाचा
   मुरगी – मुरगा | बालिका – बालक
   लड़की – लड़का | अध्यापिका – अध्यापक

सोचो और बताओ Think & Tell

सभी प्रश्नों का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके बारे में बातें करें। सबके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध (Comprehension)

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) राष्ट्रपिता
   (ख) राजा हरिश्चंद्र
   (ग) गांधी जी की आत्मकथा
2. (क) गांधी जी की माता का नाम पुतलीबाई और पिता का नाम करमचन्द था।
   (ख) गांधी जी के विद्यालय में शिक्षा अधिकारी निरीक्षण के लिए आए थे।
   (ग) गांधी जी ने विद्यालय की घटना के बाद निर्णय लिया कि गलत काम करके अधिक अंक पाने से अच्छा है, अपनी मेहनत से सच्चे अंक पाना, भले ही कम अंक क्यों न आएँ!

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

3. विद्यार्थी पढ़कर समझेंगे और स्वयं लिखेंगे।
4. धर्म – कर्म, दर्द
   मूर्ति – पूर्ति, स्फूर्ति
5. राष्ट्र – ड्रम, ट्राम
   प्रश्न – प्राण, प्रार्थना

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।
7. (क) राजा हरिश्चंद्र अयोध्या के राजा थे।
   (ख) राजा हरिश्चंद्र की पत्नी का नाम तारामती और पुत्र का नाम रोहिताश्व था।
   (ग) राजा हरिश्चंद्र अपनी सत्यवादिता के लिए प्रसिद्ध थे।
   (घ) उन्हें 'सत्यवादी हरिश्चंद्र' नाम से भी जाना जाता है।

पाठ 12 : यक्ष-युधिष्ठिर संवाद

पाठ उपलब्धियाँ Learning Outcomes
• कर्त्तव्य • भातृ-प्रेम • आज्ञा-पालन • अनुमति के बिना किसी की चीज़ न लेना

पाठ मूल्यांकन Lesson Components	
विधा Genre	पौराणिक कथा
पाठगत विशेषताएँ Thematic Approach	पाठ-बोध, प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, सही-गलत लिखना
भाषा और व्याकरण Language & Grammar	उच्चारण, मौखिक अभिव्यक्ति, समानार्थी शब्द, विलोम शब्द
चिंतन और समस्या समाधान Critical Thinking & Problem Solving	परिणाम, कारण, वर्णन, कार्य-कारण संबंध
रचनात्मक कार्य Art Integration	महाभारत का कोई प्रसंग ढूँढ़कर पढ़ना, लिंक की सहायता से महाभारत का प्रस्तुत प्रसंग देखना, अभिनय
जीवन मूल्य Values	अनुमति के बिना किसी की वस्तु न लेना
डिजिटल Digital	ऑडियो सुनकर प्रश्न का उत्तर देना, कहानी का ऑडियो, कहानी का ऐनिमेशन, शब्द-अर्थ, गतिविधि

पाठ का सारांश Summary

यह कहानी महाभारत से ली गई है। इसमें बताया गया है कि किसी की वस्तु बिना उसकी आज्ञा के नहीं लेनी चाहिए। यह उस समय की घटना है, जब पाँचों पांडव – युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव – अज्ञातवास काल में वन-वन भटक रहे

थे। एक बार चलते-चलते उन्हें प्यास लगी तो युधिष्ठिर ने नकुल को पीने के लिए जल लाने को कहा। कुछ दूर जाने पर नकुल को एक सरोवर दिखा। वे सरोवर पर गए। उन्होंने सोचा, "पहले मैं जल पी लेता हूँ। फिर सबके लिए कलश में जल भर लूँगा।" यह सोचकर उन्होंने जल पीने के लिए हाथ बढ़ाया ही था कि एक आवाज़ सुनाई दी – "नकुल! इस सरोवर का जल पीने से पहले तुम्हें मेरे प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।" नकुल ने इस आवाज़ की ओर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने जैसे ही जल पीने के लिए हाथ आगे बढ़ाया, एकदम से वे भूमि पर गिर पड़े। जब बहुत देर तक नकुल नहीं आए तो युधिष्ठिर ने एक-एक करके भीम, अर्जुन और सहदेव को उन्हें ढूँढ़ने के लिए भेजा। उन तीनों ने भी उस तालाब का जल पीना चाहा तो उन्हें भी वही आवाज़ सुनाई दी। उन्होंने भी उस आवाज़ की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। इसलिए उन तीनों की भी वही दशा हुई, जो नकुल की हुई थी। अंत में युधिष्ठिर स्वयं उन सबको ढूँढ़ने गए। वहाँ पहुँचकर उन्होंने अपने भाइयों को भूमि पर पड़े हुए देखा तो उन्हें बहुत दुख हुआ। तभी उन्हें भी वही आवाज़ सुनाई दी – "हे युधिष्ठिर! मैं यक्ष हूँ। यदि तुमने भी अपने भाइयों की तरह मेरे प्रश्नों का उत्तर दिए बिना जल पीने की कोशिश की, तो तुम्हारी भी वही दशा होगी, जो तुम्हारे भाइयों की हुई है।" युधिष्ठिर ने हाथ जोड़कर कहा कि वे ऐसा नहीं करेंगे और प्रश्न पूछने का निवेदन किया। यक्ष ने युधिष्ठिर से बहुत सारे प्रश्न किए। युधिष्ठिर ने उन सभी प्रश्नों के एकदम सही उत्तर दिए। यक्ष उनके उत्तरों से बहुत प्रसन्न हुए और बोले – "मैं तुम्हारे किसी एक भाई को जीवित कर सकता हूँ।" युधिष्ठिर ने कहा कि आप मेरे छोटे भाई नकुल को जीवित कर दीजिए। जब यक्ष ने पूछा कि तुम नकुल को ही जीवित क्यों करना कहते हो तो युधिष्ठिर ने कहा – "मेरे पिता की दो पत्नियाँ थीं। माता कुन्ती का एक पुत्र मैं जीवित हूँ। माता माद्री का भी एक पुत्र जीवित रहना चाहिए। इसीलिए मैंने नकुल को जीवित करने के लिए कहा।" इस बात से यक्ष बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने अपना परिचय देते हुए कहा कि वे धर्मराज हैं और उनकी परीक्षा लेने के लिए आए थे। फिर उन्होंने युधिष्ठिर के सब भाइयों को जीवित कर दिया। युधिष्ठिर ने उनसे वर माँगा कि – "इस अज्ञातवास में कोई हमें पहचान नहीं पाए और मेरा मन सदा धर्म में ही लगा रहे।" धर्मराज ने उन्हें दोनों वर दिए और अन्तर्धान हो गए।

पाठ-योजना Lesson Plan

1. यह कहानी महाभारत की कथा पर आधारित है। विद्यार्थी पहले से ही महाभारत के विषय में जानते हैं। अत: पहले संक्षेप में महाभारत की कहानी सुना दें। फिर उनसे पूछें कि क्या उन्होंने कभी महाभारत से सम्बन्धित कोई कथा सुनी है? यदि हाँ तो उसे सुनाने को कहें। फिर कहें कि आप पांडवों के विषय में जो कुछ भी जानते हैं, बताएँ। ध्यान दें कि ये बातें हिन्दी में ही हों।

2. अब **पढ़कर कहानी** सुना दें। कहानी में बताया गया है कि हमें किसी की वस्तु उसकी अनुमति के बिना नहीं लेनी चाहिए। बिना अनुमति के लेना गलत बात होती है। पूछें, क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि किसी ने आपकी कोई वस्तु बिना आपसे पूछे ले ली हो और इस कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ा हो? इस बातचीत में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करें।
3. इस बातचीत से उनमें **सुनकर बोलने की क्षमता** (Listening & Speaking Skills) का विकास होगा।
4. इसके बाद **स्मार्ट बुक** में दिए **मूलपाठ का उच्चारण** सुनवा दें। **ऐनिमेशन** दिखा कर **शब्द-अर्थ** भी दिखा दें।
5. अब आप **पाठ पढ़ें** और पीछे-पीछे विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
6. महाभारत की कथाओं की बात को आगे बढ़ाते हुए 'अभिमन्यु की वीरता' की कहानी सुना दें। फिर उसपर कुछ बातचीत करें।
7. अब **मौखिक प्रश्नों** को एक-एक करके पूछें। यदि कोई विद्यार्थी गलत उत्तर दे तो उसे सही उत्तर बता कर प्रोत्साहित करें।
8. इसके बाद **ऑडियो सुनाकर** उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछ लें।
9. **पाठ का सही अवबोधन जानने के लिए कुछ बहुविकल्पी प्रश्न बनाकर विद्यार्थियों से उनके उत्तर पूछें–**
   - **यक्ष किसका स्वामी था?**

     ☐ **वन का** ☐ **वन के पशुओं का** ☐ **तालाब का**
10. **भाषा और व्याकरण** के अंतर्गत **गतिविधि-1** करवाने से पहले श्यामपट्ट पर **समानार्थी शब्दों** की परिभाषा उदाहरण सहित लिखकर समझाएँ। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करवाएँ।
11. **गतिविधि-2** में श्यामपट्ट पर पहले **विलोम शब्दों** की परिभाषा उदाहरण सहित लिखकर समझाएँ। अतिरिक्त उदाहरण भी दें। इसके बाद कॉपी या पुस्तक में करवाएँ।
12. **साधारण चिंतन** को उद्‌बुद्‌ध करने के लिए विद्यार्थियों से पूछें कि आपको क्या लगता है, किसी की कोई वस्तु उससे पूछ कर लेनी चाहिए या बिना पूछे? तर्क सहित बताने के लिए कहें।
13. **अभ्यास** के अंतर्गत **मौखिक प्रश्नों** को पहले पूछ लें। उसके बाद **बहुविकल्पी प्रश्नों** को पुस्तक में ही हल करवा लें, साथ ही **लिखित प्रश्नों** पर भी चर्चा कर लें। लिखित प्रश्न गृह कार्य हेतु दे सकते हैं।
14. **स्व-मूल्यांकन** हेतु दिए गए प्रश्न विद्यार्थी स्वयं हल करके चेक करेंगे। त्रुटियों को दूर करके अध्यापक को दिखाएँगे।

15. **भाषा और व्याकरण** से सम्बन्धित प्रश्नों को श्यामपट्ट पर समझा दें, फिर कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।
16. **रचनात्मक कार्य** निर्देशानुसार करवाएँ।
17. **अभ्यास पुस्तिका** में दिया गया अभ्यास कक्षा कार्य अथवा गृह कार्य हेतु दें।

उत्तरमाला Answers

पाठ्यपुस्तक के उत्तर

पाठ-बोध Comprehension

मौखिक Oral

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
2. (क) यह कथा 'महाभारत' से ली गई है।
   (ख) पाँचों पाण्डवों के नाम थे– युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव।
   (ग) पाण्डव वन में अपने अज्ञातवास के काल के कारण भटक रहे थे।
   (घ) यक्ष वास्तव में धर्मराज थे।

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

(क) ☑ विद्या
(ख) ☑ जिस पर कोई ऋण नहीं है।
(ग) ☑ क्रोध
(घ) ☑ मन

लिखित Writing

1. विद्यार्थियों से दिए गए शब्दों का श्रुतलेख लिखवाएँ।
2. (क) जल लेने के लिए सबसे पहले नकुल गया।
   (ख) युधिष्ठिर को सरोवर तक इसलिए जाना पड़ा क्योंकि उनके सभी भाई जल लेने गए परन्तु कोई भी लौटकर वापिस नहीं आया। अतः वे चिन्तित हो गए थे।
   (ग) जब युधिष्ठिर सरोवर के निकट गए तो उन्होंने देखा कि तालाब के किनारे उनके सभी भाई भूमि पर पड़े हुए हैं।
   (घ) यक्ष ने युधिष्ठिर को यह चेतावनी दी कि यदि वह यक्ष के प्रश्नों के उत्तर दिए बिना जल पीएँगे तो उनकी भी अपने भाइयों जैसी दशा हो जाएगी।

(ङ) युधिष्ठिर ने नकुल को ही जीवित करने के लिए इसलिए कहा क्योंकि उनके पिता की एक पत्नी कुन्ती का एक पुत्र, अर्थात् युधिष्ठिर जीवित थे। अतः वे चाहते थे कि उनके पिता की दूसरी पत्नी, माद्री का भी एक पुत्र जीवित रहना चाहिए।

(च) युधिष्ठिर ने यक्ष से अन्त में यह वर माँगा कि उन्हें अज्ञातवास में कोई पहचान न पाए तथा उनका मन सदा धर्म में लगा रहे।

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

1. ☑ जल ☒ जलाशय
   ☒ जाल ☑ पानी
   ☑ सरोवर ☒ नदी
   ☒ सोना ☑ तालाब
   ☑ सूर्य ☑ सूरज
   ☒ चाँद ☒ आकाश

2. प्रश्न x उत्तर
   पाना x खोना
   पास x दूर
   ज़्यादा x कम

सोचो और बताओ Think & Tell

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। सभी प्रश्नों का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे। आप प्रत्येक विद्यार्थी से इनके बारे में बातें करें। उनके विचार सुनें और मूल्यांकन करें।

रचनात्मक कार्य Creative Work

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

जीवन मूल्य Values

विद्यार्थी स्वयं करेंगे। निर्देशानुसार करवाएँ और मूल्यांकन करें।

अभ्यास पुस्तिका के उत्तर

पाठ-बोध (Comprehension)

बहुविकल्पी प्रश्न MCQs

1. (क) अज्ञातवास

(ख) आज का कर्म

(ग) सन्तोष

(घ) मन

2. (क) युधिष्ठिर के अन्य भाई सरोवर से जल इसलिए नहीं ला पाए, क्योंकि उन्होंने यक्ष की अनुमति के बिना उसके सरोवर का जल पीना चाहा।

(ख) युधिष्ठिर के उत्तरों से प्रसन्न हो कर यक्ष ने उनसे कहा – "हे युधिष्ठिर! मैं तुमसे प्रसन्न हूँ। अत: मैं तुम्हारे एक भाई को जीवित कर सकता हूँ।"

(ग) इस पाठ से यह शिक्षा मिलती है कि हमें किसी की वस्तु का उपयोग उसकी अनुमति लेकर ही करना चाहिए।

3. [1] युधिष्ठिर ने नकुल से कहा, "प्रिय नकुल! देखो, आस-पास कोई सरोवर या नदी है।"

[2] नकुल ने उस आवाज़ की ओर ध्यान नहीं दिया।

[3] अन्त में युधिष्ठिर स्वयं अपने भाइयों को ढूँढ़ने निकल पड़े।

[4] युधिष्ठिर ने कहा, "नहीं, मैं आपकी अनुमति के बिना आपकी वस्तु नहीं लेना चाहता।"

[5] युधिष्ठिर बोले, "हे धर्मराज! मुझे यह वर दीजिए कि इस अज्ञातवास में हमें कोई पहचान नहीं पाए।"

भाषा और व्याकरण Language and Grammar

4. सरोवर – तालाब
   दशा – अवस्था
   क्रोध – गुस्सा
   धैर्य – सब्र
   ऋण – उधार
   श्रेष्ठ – सबसे अच्छा

5. (√) धनुर्धर
   (√) कृपया
   (√) प्रश्न
   (√) अदृश्य
   (√) श्रेष्ठ
   (√) धैर्य

रचनात्मक कार्य Creative Work

6. (क) यह दृश्य उस सरोवर का है, जहाँ नकुल पानी लेने आए थे।
   (ख) सरोवर में कमल के फूल खिले हुए हैं।
   (ग) सरोवर में तीन सारस भी खड़े हुए हैं।
   (घ) नकुल दोनों हाथों से अंजुलि बनाकर सरोवर का जल पीना चाह रहे हैं।
   (ङ) उनके चेहरे से पता चल रहा है कि किसी की आवाज़ सुनकर, वे जल लेने से रुक गए हैं।